PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति परिस्थितियों को दोष देने में ऊर्जा खर्च करता है, वह अवसर खो देता है; और जो परिस्थितियों से सीख लेकर आगे बढ़ता है, वही अपना भविष्य गढ़ता है।

दैनिक
भीम प्रज्ञा
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-74 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 3 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

किताबें और समाजः ज्ञान से आगे जीवन का पाठ

किताबें मनुष्य की सबसे पुरानी और विश्वसनीय गुरु रही हैं। वे हमें सभ्यता का इतिहास बताती हैं, विज्ञान की खोजों से परिचित कराती हैं, दर्शन के गूढ़ प्रश्नों से जूझना सिखाती हैं और यह भी समझाती हैं कि 'इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है।' स्कूल की कक्षाओं से लेकर विश्वविद्यालयों तक, ज्ञान की पहली सीढ़ी किताबों के सहारे ही चढ़ी जाती है। लेकिन जीवन की यात्रा में एक ऐसा मोड़ भी आता है, जहाँ किताबों से सीखा हुआ आदर्श ज्ञान अधूरा सा लगने लगता है और तब समाज स्वयं शिक्षक बनकर सामने खड़ा हो जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

किताबें हमें आदर्श दुनिया का चित्र दिखाती हैं—जहाँ सत्य की जीत होती है, न्याय सर्वोपरि होता है और मनुष्यता सर्वोच्च मूल्य होती है। पर समाज की वास्तविकता कई बार इन आदर्शों को कठोर प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर देती है। यहाँ इंसानियत की कीमत समय, परिस्थिति और स्वार्थ के हिसाब से तय होती है। लोग अपने लहजे बदलते हैं, चेहरे पर मुखौटे चढ़ाते हैं और व्यवहार में वह सब सिखा जाते हैं, जो किसी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं होता। एक मतलबी दोस्त, एक अवसरवादी रिश्तेदार या एक कठोर पड़ोसी हमें यह सिखा देता है कि दुनिया सिर्फ विचारों से नहीं, व्यवहार से चलती है। शिक्षा के क्षेत्र में किताबों का महत्व निर्विवाद है। वे सही और गलत में फर्क करना सिखाती हैं, तर्क शक्ति विकसित करती हैं और मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक होती हैं। अध्ययन हमें अनुशासन, धैर्य और निरंतर सीखने की आदत देता है। लेकिन केवल किताबी ज्ञान अक्सर हमें जीवन की जमीनी सच्चाइयों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं कर पाता। परीक्षा पास करने के बाद कई सबक धुंधले पड़ जाते हैं, पर समाज से मिली ठोकरें जीवन भर याद रहती हैं। वे रूह में उतर जाती हैं और व्यक्ति के सोचने, समझने और निर्णय लेने के तरीके को बदल देती हैं।

जीवन के अनुभव हमें सिखाते हैं कि हर मुस्कान के पीछे सच्चाई नहीं होती और हर मीठे शब्द में भलाई नहीं छुपी होती। समाज हमें 'चेहरों के पीछे के चेहरे' पढ़ना सिखाता है। यह पाठ न तो किसी पुस्तकालय में मिलता है और न ही किसी डिग्री में दर्ज होता है। यह अनुभवों की आग में तपकर मिलता है। जब भरोसा टूटता है, जब मेहनत का फल तुरंत नहीं मिलता, जब ईमानदारी को मूर्खता समझा जाता है—तब इंसान किताबों से आगे सोचने लगता है। इसका अर्थ यह नहीं कि किताबें व्यर्थ हैं या उनका महत्व कम है। बल्कि सच्चाई यह है कि किताबें दिशा देती हैं और समाज गति। किताबें हमें मूल्य सिखाती हैं और समाज उन मूल्यों की परीक्षा लेता है। यदि किताबें न हों, तो मनुष्य दिशाहीन हो जाएगा; और यदि अनुभव न हों, तो वही मनुष्य अपरिपक्व रह जाएगा। एक संतुलित जीवन के लिए दोनों का संगम आवश्यक है।

आज के समय में, जब सूचनाओं की बाढ़ है और सोशल मीडिया ज्ञान का भ्रम पैदा कर रहा है, तब किताबें हमें गहराई देती हैं और समाज हमें वास्तविकता से जोड़ता है। एक परिपक्व नागरिक वही है, जो किताबों से मिले आदर्शों को समाज की कठोर परिस्थितियों में भी यथासंभव निभाने का साहस रखता है, और समाज से मिले सबकों को अपनी मानवीय संवेदनाओं को मारे बिना आत्मसात कर लेता है।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि किताबें हमें इंसान बनना सिखाती हैं और समाज हमें इंसान बने रहना। ज्ञान और अनुभव के इस संतुलन में ही जीवन की वास्तविक समझ छिपी है। वही सबक सबसे गहरा होता है, जो समय, समाज और परिस्थितियाँ मिलकर सिखाती हैं—क्योंकि वह सिर्फ दिमाग में नहीं, सीधे आत्मा में दर्ज होता है।

1.44 लाख नौकरियां मिलेंगी :सीएम

21000 को पीएम देंगे लेटरःसरंपचों से कहा- गुड़ न दे सको गुड़ की बात तो करो, सभी से अच्छे से बर्ताव करें

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में 1.44 लाख सरकारी नौकरियां देने का प्रोसेस चल रहा है। एक लाख भर्तियों का कैलेंडर निकाला है। पीएम मोदी का जल्द ही प्रोग्राम बन रहा है, इस कार्यक्रम में 21 हजार युवाओं को प्रधानमंत्री अपॉइंटमेंट लेटर देंगे। कांग्रेस राज में हर परीक्षा का पेपर लीक होता था। पिछले दो साल से एक भी परीक्षा का पेपरलीक हुआ क्या? सीएम भजनलाल शर्मा सरंपच संघ के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

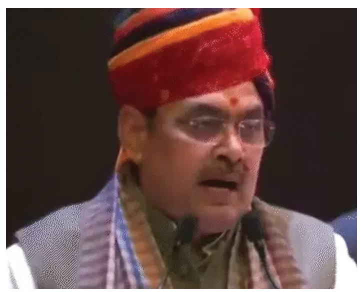

सीएम ने सरंपचों से कहा- आप संवेदनाओं के साथ काम करें। व्यक्ति तीन ही कारण से किसी के पास जाता है। पहला भाव से, दूसरा अभाव से और तीसरा प्रभाव से। आपके पास जो भी आता है, जरूरी नहीं कि सब काम हों। लेकिन उसे सुनें, उसके साथ अच्छे से बर्ताव करें। वो गांव में कहते हैं न कि गुड़ न दें तो गुड़ जैसी बात तो करें। एक सेवक की तकलीफ एक सेवक ही समझ सकता है।

सीएम ने कहा- मैं 2000 से 2005 तक सरंपच था। जब सांगानेर से चुनाव लड़ा तो गांव से चलकर बस में बैठकर लोग यहां तक आए। जितना उनकी हैसियत में था, उतनी मदद लेकर आए। मैंने उनसे कहा था कि मेरे लिए आपका यह आशीर्वाद ही काफी है। सरपंच का पद जीवनभर के लिए हो जाता है। सरपंच रहते लोगों से अच्छे रिश्ते बन जाते हैं। यह जीवनभर चलते हैं।

कांग्रेसी मुंह देख काम करते थे, हम नियमों से चलते हैं

सीएम ने कहा- हमारी सरकार ने 3467 नई पंचायतें बनाई। पहले चाहे नगर निगम हो या पंचायत, पहले कोई आधर नहीं था। हम नीति के आधार पर काम करते हैं। हमने 2500 की जनसंख्या पर पंचायत बनाने और रेगिस्तानी जिलों में 1500 की जनसंख्या का नियम बनाया। कांग्रेस ने मुंह देखकर काम किए। वे मुंह देखकर काम करने वाले लोग हैं। हम नियमों से काम करते हैं, ताकि सबका फायदा हो।

वीबीजीराम से गांवों में स्कूल, अस्पताल बाउंड्री की मरम्मत और पक्के काम करवा सकेंगे

सीएम ने कहा- वीबीजीरामजी के तहत अब 100 दिन की जगह 125 दिन काम मिलेगा। गांच में फसल का समय आता है, तब नरेगा बंद करने की सरपंच ही मांग करते थे। पहले 85 हजार करोड़ का बजट था, अब केंद्र ने 95692 करोड़ का बजट कर दिया है। वीबीजीरामजी में ग्राम सभा में प्रस्ताव लेकर पक्का काम करवा सकते हैं। कई जगह स्कूल अस्पताल के भवन, बाउंड्री खराब हो तो उसकी मरम्मत करवा सकते हैं,पक्के काम करवा सकते हैं।

केंद्रीय बजट पर प्रेस वार्ताः प्रेम सिंह बाजौर ने बजट को बताया 'हर वर्ग का बजट'

रक्षा बजट में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी, सेना होगी और मजबूत, युवाओं, महिलाओं व मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर ने सोमवार को सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट को लेकर उन्होंने बजट की सराहना करते हुए इसे 'हर वर्ग का बजट' बताते हुए कहा कि यह विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला बजट है। प्रेम सिंह बाजौर ने विपक्ष द्वारा सैन्य बजट में कटौती के लगाए जा रहे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इस बजट में रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि सेना को आधुनिक हथियारों, उपकरणों और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि युद्ध जैसी परिस्थितियों में कुछ संसाधनों की कमी सामने आई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बाजौर ने कहा कि बजट में युवाओं, महिलाओं और मध्यम वर्ग को विशेष प्राथमिकता दी गई है।युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास के माध्यम से नए अवसर

सृजित किए गए हैं, वहीं महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। मध्यम वर्ग को टैक्स स्लैब और अन्य रियायतों के माध्यम से राहत देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाकर अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत किया गया है। साथ ही ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए किए गए सुधारों से छोटे और बड़े व्यापारियों को समान रूप से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना भी इस बजट का एक प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का पूरा ध्यान देश के विकास और जनकल्याण पर केंद्रित है और डबल इंजन की सरकार होने से प्रदेश में भी आने वाले समय में नए-नए विकास कार्य होंगे। इस दौरान झुंझुनू विधायक राजेन्द्र भाम्बू, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, विश्म्भर पूनियां, ललित जोशी , कमलकांत शर्मा भी उपस्थित रहें।

10 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर के 8वें दिन तक 5 हजार से अधिक रोगी हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग की ओर से यहां महावीर भवन में आयोजित से 10 दिवसीय निःशुल्क क्षार सूत्र चिकित्सा शिविर में सोमवार को 8वें दिन तक कुल 5996 रोगियों का सफल उपचार किया जा चुका है एवं अब तक 84 अर्श भगन्दर रोगियों का ऑपरेशन किया जा चूका है। यह जानकारी देते हुए मीडिया सलाहकार डॉ रमेश कस्वां ने बताया कि 8 वें दिन ओपीडी में कुल 680 मरीज, अग्नि कर्म चिकित्सा के 35 मरीज पंचकर्म चिकित्सा से 231मरीज, स्त्री रोग के 73 मरीज एवं 372 बच्चों को स्वर्ण प्राशन करवाया गया।शिविर प्रभारी डॉ अरुण कुमार सैनी एवं डॉ नंदकिशोर शिवरान ने बताया

कि आमजन इस शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहें है। शिविर लगातार 4 फरवरी तक जारी रहेगा इसमें आयुर्वेद विभाग की तरफ से सभी आने वाले ओं पी डी मरीजों का सफल उपचार किया जा रहा है ओपीडी मरीजों में आए गुदा रोगों की स्क्रीनिंग कर क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा हेतु आईपीडी में भर्ती कर निशुल्क शल्य चिकित्सा की जा रही है एवं भर्ती मरीजों को निःशुल्क भोजन आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ महेश कुमार सोनी ने अपील की है कि आमजन इस शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

विश्व कैंसर दिवस पर जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में कैंप 4 फरवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़. लक्ष्मणगढ़।

यहां के सरकारी जिला चिकित्सालय में 04 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस पर शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला चिकित्सालय लक्षमनगढ के पीएमओ डॉ अटल भास्कर ने बताया कि वर्तमान में पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ जिस तरह का खान- पान एवं जीवन शैली हमने अपना रखी है वो हमें ना केवल अस्वस्थ बना रही है बल्कि कुछ गंभीर बिमारियों की चपेट में भी ले रही है, जिनमें एक प्रमुख समस्या कैंसर रोग हैद्य हमारा प्रथम लक्ष्य कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना एवं इसके इलाज के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करना है, जिससे समय पर रोग की पहचान कर इलाज संभव हो सके, साथ ही स्वस्थ जीवनशैली ,खान पान एवं व्यायाम के महत्व को भी जन जन तक पहुंचाना है जिससे गंभीर असाध्य रोगों की चपेट में आने से बचा जा सके द्यडॉ. मनोज कुमार नोडल अधिकारी जिला कैंसर केयर सेन्टर जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ ने बताया कि प्रारम्भिक अवस्था में पहचान होने पर कैंसर का उपचार संभव है द्य जिला अस्पताल में जिला कैंसर केयर (डे-केयर) सेन्टर पर डेडिकेटेड ओपीडी एवं आईपीडी का संचालन शुरू किया गया है जहां कैंसर जांच, निदान, उपचार, फॉलोअप किमोथेरेपी एवं पैलेएटिव केयर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील है कि 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस ' पर जिला अस्पताल लक्ष्मणगढ़ में आयोजित होने वाले कैंप में अधिक से अधिक संख्या में आकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त करें।

ग्राम स्तर 8 फरवरी तक मनाये जायेगे अधिकार संरक्षण संकल्प दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रचार-प्रसार के लिए 26 जनवरी से 8 मार्च तक जन संवाद और आईईसी की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। यह ग्रामीण रोजगार गारंटी, पारदर्शी मजदूरी भुगतान और विकेन्द्रीकृत पंचायत प्लानिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कानूनी प्रावधानों और फायदों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा कानूनी प्रावधानों और फायदों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सघन जन संवाद आधारित सूचना, शिक्षा और संचार कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके लिए साप्ताहिक कलैण्डर आठ मार्च तक जारी कर सीईओ द्वारा ज़िले के विकास अधिकारियो को निर्देशित जा चुका है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र यादव ने बताया कि अधिकार संरक्षण संकल्प दिवस के तहत ग्राम स्तर पर समय पर काम, पूरा भुगतान और पारदर्शिता के बारे मे श्रमिकों में विश्वास एवं जागरूकता के लिए बैनर/पोस्टर से प्रदर्शन कर कानून मज़बूत होने से रोजगार अधिकार सुरक्षित हैं क़ी गतिविधियां आठ फरवरी तक 'अधिकार संरक्षण संकल्प दिवस' मनाया जा रहा है।जिसमे वीबी-जी-राम-जी के अधिनियम के प्रावधानों को ग्राम स्तर पर प्रचारित किया जाएगा।

केंद्रीय बजट 2026-27 कॉरपोरेट विदेशी पूंजी के लिए रेड कारपेट- लाल बहादुर खोवाल

बजट में आम नागरिक, मध्यम वर्ग और राज्यों के अधिकारों की अनदेखी- खोवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि यह सरकार 'सबका साथ' नहीं, बल्कि चुने हुए कॉरपोरेट घरानों और विदेशी पूंजी के हितों के लिए शासन चला रही है। इस बजट में बड़े-बड़े शब्द, तकनीकी घोषणाएं और नीतिगत प्रयोग तो हैं, लेकिन आम नागरिक को राहत देने का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं है। लगातार महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की आवश्यकताओं की बढ़ती लागत के बावजूद सरकार ने आयकर स्लैब और स्टैंडर्ड डिडक्शन में कोई बदलाव नहीं किया। यह मध्यम वर्ग के साथ सीधा अन्याय है जबकि राहत की सबसे पहली आवश्यकता इसी वर्ग को थी, जिसे सरकार ने पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। सरकार ने एमएसएमई के लिए तथाकथित कॉरपोरेट मित्र

की घोषणा की है। वास्तविकता यह है कि यह पहल अनुपालन के बोझ को कम करने के बजाय उसे और जटिल बनाने वाली है। छोटे उद्यमी पहले ही जीएसटी, आयकर, श्रम कानूनों और बैंकिंग दबाव से जूझ रहे हैं। सरकार ने नियम सरल करने के बजाय मध्यस्थों की एक नई परत खड़ी कर दी है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 100 प्रतिशत, विदेश में रहने वालों को भारतीय शेयर बाजार में और अधिक निवेश की अनुमति, विदेशी कंपनियों को कर छूट जैसे प्रावधान यह दर्शाते हैं कि भाजपा सरकार का भरोसा देशी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र नहीं, बल्कि विदेशी पूंजी है। इससे आर्थिक संप्रभुता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि ई-कोर्ट्स के लिए ?1200 करोड़ का प्रावधान पिछले वर्षों जैसा ही है। न्यायालयों में लंबित मामलों, जजों की कमी और अधोसंरचना संकट को देखते हुए यह राशि न्यायिक सुधार के प्रति सरकार की उदासीनता को उजागर करता है। यह बजट राज्यों के अधिकारों और वित्तीय स्वायत्तता को और कमजोर करता है। करों का अत्यधिक केंद्रीकरण, राज्यों को बिना पर्याप्त संसाधन दिए नई जिम्मेदारियां,नीति निर्माण में राज्यों से परामर्श का अभाव ये सभी कदम संविधान की संघीय भावना के विपरीत हैं। भाजपा सरकार भारत को सहकारी संघवाद से हटाकर केंद्रीकृत शासन मॉडल की ओर ले जा रही है। कानून में ढील अमीरों के लिए, सख्ती आम करदाता के लिए जहां एक ओर ब्लैक मनी कानून में विदेशी संपत्ति के खुलासे पर ढील, कर विवादों में राहत और बायबैक टैक्स की संरचना बदली गई है, वहीं दूसरी ओर आयकर ऑडिट में एक दिन की देरी पर 75,000 रूपए का प्रस्तावित जुर्माना आम व्यापारियों और पेशेवरों पर सीधा दबाव है।

खोवाल ने कहा कि यह बजट न किसानों की आय सुरक्षित करता है,न युवाओं को रोजगार की गारंटी देता है, न मध्यम वर्ग को कर राहत देता है, और न ही राज्यों को उनका संवैधानिक हक है ।भाजपा सरकार को समझना होगा कि भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि नागरिकों और राज्यों का एक संवैधानिक संघ है – जिसे इस बजट में पूरी तरह भुला दिया गया है।

कम नींद लेने से बच्चों का विकास होता है बाधित, अच्छी सेहत के लिए जानें कितना सोएं

अब डॉक्टर सिर्फ रक्त परीक्षण कर बता सकते हैं कि बच्चे में नींद की कमी है या नहीं। एक हालिया शोध में यह खुलासा किया गया है। बच्चों को रात में कम से कम नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए जब तक वे 16 साल के नहीं हो जाते। नौ घंटे की नींद नहीं लेने से बच्चों के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

मोटापे का खतरा बढ़ जाता है–

कम नींद से बच्चों का विकास बाधित होता है। इससे वे स्कूल और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते और उनमें मोटापे व मधुमेह से ग्रस्त होने का जोखिम बढ़ जाता है। यह बताना बेहद मुश्किल है कि बच्चे को कितनी नींद मिलती है क्योंकि ये बच्चे और उसके माता–पिता पर निर्भर करता है।

अभिभावकों को भी इस बात की सही जानकारी नहीं होती कि बच्चा कितनी देर तक सोता है। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने एक ऐसा रक्त परीक्षण विकसित कर लिया है जिससे बच्चों के सोने की आदतों के बारे में सही जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आरएनएज अणु की करता है पहचान–

इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड साइंस ऑफ द नेशनल रिसर्च काउंसिल के शोधकर्ताओं ने इस रक्त परीक्षण को विकसित किया है। यह रक्त परीक्षण खून में मौजूद माइक्रो आरएनएज नामक अणु की पहचान कर नींद के बारे में पता लगाता है। माइक्रो आरएनएज शरीर के सबसे सक्रिय जीन को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने नींद के समय के अनुसार माइक्रो आरएनएज में काफी बदलाव देखा।दो विभिन्न प्रकार के माइक्रो आरएनएज को देखने के बाद उन्होंने बताया कि कौन–सा बच्चा नौ घंटे सोता है और कौन कम सोता है।

कितनी नींद लेना जरूरी– अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार तीन साल से कम उम्र के बच्चों को हर रात 12 घंटे से ज्यादा सोना चाहिए और हर साल नींद में 15 मिनट की कटौती करते हुए 16 की उम्र में नौ घंटे की नींद पर आ जाना चाहिए।

सर्दियों में छोटे बच्चों को सुलाने का क्या है सही तरीका, जानें इस मौसम में कैसे करें उनकी देखभाल

सर्दियों में बच्चों का ख्याल रखना आसान नहीं है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि न्यू बोर्न बेबी का ध्यान रखने के लिए कुछ बेसिक बातों पर गौर किया जाए। वहीं, अगर आप पहली बार पैरेंट बने हैं, तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। आइए, जानते हैं सर्दियों में कैसे रखें बच्चों का ध्यान–

–जिस कमरे में आपने न्यू बॉर्न बेबी को रखा है, ठंड के मौसम में उस कमरे का टेंप्रेचर हल्का गर्म रखें। इसके लिए आप रूम हीटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन इसे बच्चे के पास ना जलाएं। डायरेक्ट हीट उसे नुकसान पहुंचा सकती है।–अगर आपने एक फुल स्लीव्स की शर्ट और एक कार्डिगन पहना है तो बच्चे को एक शर्ट, एक बॉडी वॉर्मर और एक कार्डिगन पहना दें। उसके हाथ और पैर को वूलन सॉक्स और दस्ताने से कवर करके रखें। सिर पर वूल की कैप के नीचे न्यू बॉर्न को पहले एक कॉटन के कपड़े की कैप पहनाएं।पहनाने चाहिए बल्कि उन्हें लाइट लेकिन वॉर्म फैब्रिक से बने कपड़े पहनाने चाहिए। आप हल्के गर्म कपड़ों की कई लेयर पहनाएं बजाय एक हेवी कोट के। इस बात का ध्यान तब जरूर रखें, जब आप कार से बेबी के साथ बाहर जा रहे हों।

घर से बाहर जाने से पहले अपने न्यू बॉर्न बेबी को अच्छी तरह कपड़े पहनाने के साथ ही एक वॉर्म शॉल या बेबी रैप कवर में अच्छी तरह लपेट लें। ज्यादा ठंड हो तो बच्चे का फेस किसी लाइट कॉटन हैंकी से कवर करें। उसके फेस को लपेटें नहीं।–ठंड के वक्त बच्चे को सुलाते समय उसे पूरी तरह कंबल (ब्लैंकेट) में न लपेटें।

बल्कि कंबल को उसके आर्म्स तक रखें और ऊपर की तरफ से एक शॉल लेकर उसके सिर का एरिया कवर कर दें। बच्चे को इस तरह सुलाते समय दिन में भी उसके ऊपर मच्छरदानी का उपयोग करें।

बच्चों की बेहतर देखभाल करती है कामकाजी महिलाएं, शोध में खुलासा

आमतौर पर माना जाता है कि नौकरी करने वाले दंपत्ति को संतान की बेहतर देखभाल करने में तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है लेकिन एक शोध ने इस धारणा को न सिर्फ गलत साबित किया है बल्कि आधुनिकता का जीवन बसर करने वाली कामकाजी महिलाओं को योग्य मां करार दिया है। महिलाओं के प्रमुख ब्रांड फेमिना ने भारतीय महिलाओं पर %ऑल अबाउट वीमन' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि नौकरीपेशा माताओं के लिए उनके बच्चे पहली प्राथमिकता है।

अपनी व्यस्तता में से समय निकालकर आधुनिक दौर के माता–पिता यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई एक अभिभावक बच्चों की निगरानी के लिए उनके साथ हर समय मौजूद रहे।रिपोर्ट में आधुनिक नौकरीपेशा माताओं के जीवन के कई पहलुओं, जैसे उपभोक्ता व्यवहार, जीवनशैली, आदत, नया सामान खरीदने की ताकत और आपसी संबंधों समेत कई पक्षों को प्रस्तुत किया गया है। यह शोध देश के 10 बड़े और छोटे शहरों में रहने वाली 1500 से ज्यादा शहरी महिलाओं पर किया गया।कामकाजी महिलाओं की लाइफस्टाइल के दिलचस्प उदाहरण पेश करते हुए रिपोर्ट में खुद की देखभाल के प्रति महिलाओं की बढ़ती दिलचस्पी को भी उभारा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि टाइम की कमी, बिजी शेड्यूल और थकाने वाले डेली रूटीन के बावजूद नौकरीपेशा कामकाजी महिलाओं ने स्वस्थ खान–पान की आदतों से कोई समझौता नहीं किया। कामकाजी माताएं अपने और अपने परिवार की सेहत के प्रति काफी जागरूक हैं।

दफ्तर की जिंदगी और व्यक्तिगत जीवन में तालमेल के सवाल पर शोध में शामिल महिलाओं ने बताया कि वह अपने परिवार और सहयोगियों की सक्रिय मदद से नौकरी और निजी जिंदगी में संतुलन बनाने में कामयाब हो पाई हैं।

शारीरिक, भावनात्मक बोझ तले दबे होते हैं ऑटिज्म ग्रस्त बच्चों के पेरेंट्स: अध्ययन

ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों के परिवारों को अत्यंत शारीरिक और भावनात्मक बोझ सहना पड़ता है और कई बार उनपर बच्चों के साथ बदसलूकी के भी आरोप लगते हैं। यह बात एक अध्ययन के परिणामों में कही गयी है। ऑटिज्म बच्चों की विकास प्रक्रिया से जुड़ा एक विकार है जो उनकी संवाद करने और बातचीत करने की क्षमता को प्रभावित करता है।

अमेरिका में रुटजर्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं समेत अन्य विशेषज्ञों ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से ग्रस्त पाये गये 2 से 20 साल की उम्र के 16 लोगों की देखभाल करने वाले 25 लोगों पर यह अध्ययन किया अध्ययन में इस बात का आकलन किया गया कि इन बच्चों की देखभाल उनके पारिवारिक विन्यास, परिवार के लोगों के शारीरिक तथा भावनात्मक स्वास्थ्य, सामाजिक कामकाज आदि पर क्या असर डालती है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑटिज्म एंड रिलेटेड डिसैबिलिटीज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार ऐसे परिवारों में भावनात्मक गुबार उठना लाजिमी है जहां ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चे रहते हैं। अध्ययन में पाया गया कि ऐसे परिवार सामाजिक अलगाव से भी ग्रस्त हैं। रुटजर्स यूनिवर्सिटी में न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर तथा अध्ययन के सह–लेखक शु मिंग ने कहा, "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से लोगों पर पड़ने वाले असर को लेकर तो समझ बढ़ी है,

बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स हो रहे हैं मोबाइल लत के शिकार

आजकल जमाना डिजिटल हो गया है। बच्चे ही नहीं, बड़े भी मोबाइल पर खासा समय बिताते हैं। ऐसे में माता–पिता के भी मोबाइल में व्यस्त रहने की बात सामने आई है। एक सर्वे के अनुसार, 70 फीसदी माता–पिता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे जरूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन रहते हैं। इसका नकारात्मक असर परिवार पर पड़ता है।अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे हद से ज्यादा मोबाइल, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं। मगर इस ओर कम ध्यान देते हैं कि कहीं उन्हीं से तो बच्चों में यह आदत विकसित नहीं हो रही। एक हालिया अध्ययन की मानें तो अभिभावक खुद जरूरत से ज्यादा वक्त तकनीक पर बर्बाद कर रहे हैं। अध्ययन में 72 फीसदी अभिभावकों ने माना है कि इंटरनेट और मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल का असर परिवार पर पड़ता है और उनका सामान्य पारिवारिक जीवन भी इसकी वजह से बाधित हो रहा है।

बीते दिन जारी हुई एक रिपोर्ट में यह बात सामने आयी। बुरी लत की तरह है– सर्वे के मुताबिक, 70 फीसदी माता–पिता इस बात से सहमत हैं कि इंटरनेट पर समय बिताना उनके लिए व्यसन सरीखा हो गया है। हालांकि 51 प्रतिशत लोग इंटरनेट और मोबाइल को खुद की और अपने बच्चों की बातचीत को प्रभावित करने की अनुमति दे देते हैं। ऐसे अभिभावक अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविध के साथ–साथ खुद भी मोबाइल फोन के प्रयोग की अपनी आदतों को रोकने का प्रयास नहीं करते हैं।बच्चों पर भरोसा रिपोर्ट के अनुसार, माता–पिता इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर बच्चों पर भरोसा करते हैं। कैस्परस्काई द्वारा कराए गए सर्वे में 52 प्रतिशत अभिभावकों ने इस बात को लेकर सहमति जताई कि उनके बच्चे जानते हैं कि कब इसका इस्तेमाल अधिक हो चुका है और उन्हें इसे बंद कर देना चाहिए।

सर्वे के अनुसार, माता (48 फीसदी) की तुलना में पिता (57 प्रतिशत) बच्चों पर उनकी इंटरनेट आदत को लेकर अधिक विश्वास करते हैं। सर्वे में यह बात भी सामने आई कि 40 प्रतिशत पैरेंट्स को ऐसा लगता है कि उन्हें अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को नियंत्रित करने की जरूरत नहीं है। हालांकि यह खतरनाक हो सकता है, क्योंकि साइबर खतरे महज एक क्लिक की दूरी पर होते हैं।आकर्षक लगती है इंटरनेट की दुनिया–सर्वे कराने वाली कंपनी कैस्परस्काई की अधिकारी मरीना टिटोवा के अनुसार इंटरनेट और डिजिटल दुनिया पर बच्चों को आकर्षक सामग्री मिलती है। इससे उनका ध्यान लंबे समय तक उसी में लगा रहता है।

एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में हुआ फेयरवेल पार्टी 'स्मृतम- 2026' का सफल आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड स्थित एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में सोमवार को कक्षा - 12 के विद्यार्थियों का आशीर्वाद समारोह 'स्मृतम- 2026' का आयोजन बड़ी धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेरयरमैन सुनील कुमार डाँगी, मैनेजिंग डायरेक्टर समित डाँगी, मेनेजमेंट सदस्य तथा समस्त अध्यापक - अध्यापिकाओं ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों एवं छात्र- छात्राओं ने इस पल को यादगार बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों जैसे राजस्थानी, पंजाबी व लघु नाटिकाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य आदि में विद्यार्थी जमकर थिरके। एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन व 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उपहार देकर सम्मानित किया। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने शिक्षकों को उपहार भेंट करके उनके प्रति श्रद्धा प्रकट की। इस आयोजन में मिस्टर फेयर वेल मनन राठी और मिस फेयर वेल पायल जांगिड रहे। इस अवसर पर चेयरमैन सुनील कुमार डाँगी व मैनेजिंग डायरेक्टर समित डाँगी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना प्रकट करते हुए कहा कि ज्ञान का कोई पर्याय नहीं होता तथा भावी जीवन में सफल होने के लिए एक निश्चित लक्ष्य बनाये और उस पर अपना पुरा ध्यान केन्द्रित करें। मैनेजिंग डायरेक्टर समित डाँगी ने अपने उद्बोधन में कहा की विद्यार्थी जीवन केवल परीक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। अतः सबको ईमानदारी, परिश्रम और अनुशासन में रहते हुए सफलता का प्रयास करना चाहिए क्योंकि सकारात्मक सोच, आत्मविश्वाश और निरंतर अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। संस्था प्राचार्य ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा परिणामों के प्रति सजग किया। अंत में सभी विद्यार्थियों के भोजन व तिलकार्चन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच संचालन रोमिल सर, जीतेन्द्र शर्मा और चेल्सी एण्ड पार्टी ने किया। इस अवसर पर एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

राजकीय सेवा से सेवानिवृत होने पर हुआ नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

निकटवर्ती बाजियां की ढाणी निवासी हवलदार रतन सिंह बाजिया के आर्मी से सेवानिवृत होकर गांव पहुंचने पर शानदार नागरिक अभिनंदन किया गया। ठीकरिया बस स्टैंड पर सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश पूनिया व प्रिंसिपल जगन सिंह बाजिया के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी दांतारामगढ़ भाविका मील के विशिष्ट आतिथ्य में पठानकोट से 24 वर्ष 11 दिन की राजकीय सर्विस पूर्ण कर घर पहुंचे हवलदार रतन सिंह का शानदार नागरिक अभिनंदन स्वागत किया गया। डीजे के साथ ग्राम के प्रमुख मार्गो से होकर सेवानिवृत्ति समारोह का जुलूस निकाला गया। महिलाएं डीजे की धुन के साथ झूमती रही। रास्ते में भी जगह-जगह शानदार स्वागत हुआ। इधर घर में चल रहे संगीतमय रामायण पाठ यज्ञ हवन पूर्णाहुति का समापन प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इस अवसर पर नारायण सिंह, रतन सिंह बाजिया,जयवीर सिंह ऐचरा, मालीराम, सांवरमल ऐचरा, तुलसाराम बाजिया, रणजीत सिंह हरितवाल, धुडाराम, बंशीधर खीचड़, भोमाराम, मानसिंह शेखावत, रामचंद्र गढ़वाल, वीरेंद्र सिंह चौधरी, विजयपाल, महेंद्र कुमावत, शीशराम निठारवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सर्व ब्राह्मण एकता मंच के तत्वाधान में ज्ञापन यूजीसी अमेंडमेंट बिल को लेकर सौंपा ज्ञापन

यूजीसी अमेंडमेंट बिल वापिस लेने की स्वर्ण समाज की है मांग

यूजीसी अमेंडमेंट बिल के विरोध में स्वर्ण समाज में आक्रोश, मंडावा एसडीएम मुनेश कुमारी को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से संबंधित नए कानून के विरोध में झुंझुनू जिले के मंडावा कस्बे में सर्वण समाज ने जोरदार विरोध ओर आक्रोश व्यक्त ओर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम मंडावा एसडीएम मुनेश कुमारी को आज ज्ञापन सौंपा गया। मौन प्रदर्शन के बाद उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। ज्ञापन के अनुसार समाज के लोगों ने इस काले कानून को शीघ्र वापस लेने की मांग की। सर्व ब्राह्मण एकता मंच के जिलाध्यक्ष राहुल मिश्रा ने कहा कि नया यूजीसी कानून भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था, प्रतिभाशाली छात्रों के भविष्य और भारतीय संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। उन्होंने बताया कि इस कानून से योग्यता, परिश्रम और प्रतिभा के बजाय वर्गीकरण और असमानता को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लाखों मेहनती छात्रों का भविष्य अंधकार में जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली केवल डिग्री वितरण का माध्यम नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। यदि इस तरह के कानून लागू किए गए तो शोध, अकादमिक स्वतंत्रता और नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसी कारण देशभर में इस कानून के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है। गणेश चैतन्य महाराज ने कहा कि यूजीसी द्वारा लागू किए जा रहे ये नए ?नियम संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 की मूल भावना के विपरीत हैं। संगठन का कहना है कि लागू होने वाले ये प्रावधान शिक्षा व्यवस्था में असमानता को बढ़ावा देंगे और समाज में विभाजन की स्थिति पैदा करेंगे। समिति ने इसे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के हितों पर सीधा आघात बताते हुए कहा कि इससे छात्रों में असुरक्षा और अन्याय की भावना गहराती जा रही है। वहीं तहसील उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित रणनीति के तहत समाज को वर्गों में बांटकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह नियम वापस नहीं लिया तो समिति आदोलन तेज करेगी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि देश के भविष्य यानी विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण एकता मंच युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल मिश्रा, कोषाध्यक्ष, जुगल किशोर शास्त्री, गणेश चेतन्य महाराज, मंडावा तहसील उपाध्यक्ष, मुकेश शर्मा, सुनिल शर्मा, जगदीश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

नीमकाजोहड़ा छापोली के पुजारीयों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर स्टे आदेश की पालना करवाने की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज़. उदयपुरवाटी/झुंझुनूं।

सुमेर मीणा । जिले के उदयपुरवाटी कस्बे के निकटवर्ती नीमकाजोहड़ा छापोली में मंदिर मूर्ति गोपालजी की जमीन भूमि खसरा नंबर पुराना 1 वह 61 से 89 पर 18 जून 2013 से माननीय न्यायालय का स्थगन, स्टे आदेश है की वन विभाग वाले इन खसरा नंबरों के बने नए खसरा नंबर 131,133,134 , 4691/131, 4692/131, 4693/133, 4694/134 की भूमियों में मंदिर पुजारी को बेदखल नहीं करेंगे , पुजारियों को कास्त करने से नहीं रोकेंगे और न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय उदयपुरवाटी द्वारा वन विभाग को स्टे आदेश द्वारा पाबंद भी किया हुआ है वे इस भूमि में पक्का निर्माण कार्य नहीं करेंगे , पुजारीयों को बिना विधिक प्रक्रिया प्रक्रिया के बेदखल नहीं करेंगे, लेकिन उसके बाद भी 14 जनवरी 2026 के बाद में वन विभाग वालों ने निर्माण कार्य चालू कर रखा है और पुजारी के की उपरोक्त भूमि में पड़ी हुई पत्थरों की 20 ट्रॉलियों को भी वन विभाग द्वारा न्यायालय के स्टे आदेश के बावजूद किये जा रहे निर्माण कार्य में लगवा दिया है पुजारीयों को राजकार्य में बाधा जैसी बड़ी धाराओं का झूठा मुकदमा लगाने और वन अधिनियम की संगीन धाराओं के तहत झूठें मुकदमें लगाकर के जेल भिजवाने की धमकी दे रहे हैं और कभी भी जेल भिजवा सकते हैं। वन विभाग के अधिकारी धर्मवीर सिंह न्यायालय के आदेशों को नहीं मान रहें हैं हमारी भी ये बात विधानसभा में सरकार के समक्ष रखना जी, न्यायालय के आदेशों की वन विभाग के अधिकारी धर्मवीर सिंह जी सहित अन्य कर्मचारी और वन अधिकारी खुल्लम खुल्ला धज्जियां उड़ा रहे हैं।

रेल बजट 2026-27: आगरा मंडल को मिली विकास की रफ्तार

हाई-स्पीड रेल से लेकर माल ढुलाई तक बदलेगा रेलवे का चेहरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर-आगरा।

मनोज खंडेलवाल । केंद्रीय रेल बजट 2026-27 ने आगरा मंडल समेत देशभर के रेलवे नेटवर्क को नई गति देने का स्पष्ट संकेत दे दिया है। बजट में अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, यात्री सुरक्षा, नेटवर्क विस्तार और आधुनिक रेल सेवाओं पर केंद्रित ठोस प्रावधानों के चलते आगरा मंडल में चल रही प्रमुख परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। इसी क्रम में रेल मंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के तहत आगरा मंडल कार्यालय के गोवर्धन सभागार में मंडल रेल प्रबंधक श्री गगन गोयल की उपस्थिति में मीडिया को केंद्रीय बजट 2026-27 की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया गया कि रेलवे को इस वर्ष अब तक का सर्वाधिक पूंजीगत समर्थन मिला है। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए 2 लाख 93 हजार, 30 करोड़ का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है, जो देश की रेल अवसंरचना को मजबूत करने, क्षमता विस्तार और यात्री सुरक्षा को नई ऊंचाई देने की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। इसी के साथ कुल 2 लाख 78 हजार करोड़ से अधिक के प्रावधानों के जरिए हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, माल ढुलाई और सुरक्षा पर विशेष फोकस रखा गया है। राज्यों के स्तर पर देखें तो उत्तर प्रदेश को 20,012 करोड़, राजस्थान को 10,228 करोड़ और हरियाणा को 3,566 करोड़ का रेलवे बजट आवंटन किया गया है। यह राशि सीधे तौर पर ट्रैक दोहरीकरण, विद्युतीकरण, स्टेशन विकास, यात्री सुविधाओं और माल परिवहन क्षमता बढ़ाने में खर्च होगी। आगरा मंडल में इन योजनाओं के पूरा होने से रेल संरचना सुदृढ़ होगी, ट्रेनों की समयपालन क्षमता बढ़ेगी और यात्रियों को सुरक्षित व बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बजट की सबसे बड़ी खासियत देश के सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर हैं, जिन्हें 'विकास संयोजक' के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। इन गलियारों के जरिए उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत को तेज, पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। दिल्ली से वाराणसी, वाराणसी से सिलीगुड़ी, मुंबई से पुणे और दक्षिण भारत में चेन्नई-बेंगलुरु-हैदराबाद जैसे मार्गों पर हाई-स्पीड रेल से यात्रा समय में भारी कमी आएगी, जिससे व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ मिलेगा। अनुमान है कि ये सातों कॉरिडोर मिलकर लगभग 4,000 किलोमीटर लंबाई के होंगे और करीब 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करेंगे। माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी बजट दूरगामी असर वाला है। पश्चिम बंगाल के डंकुनी से गुजरात के सूरत तक प्रस्तावित नया समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर, जो कई औद्योगिक राज्यों से होकर गुजरेगा, मौजूदा नेटवर्क पर दबाव कम करेगा और बंदरगाहों तक माल की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। यह कॉरिडोर उद्योगों और आपूर्ति श्रृंखला को नई मजबूती देगा। रेल मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि बीते वर्षों में 35 हजार किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण, 47 हजार किलोमीटर से अधिक का विद्युतीकरण और ब्रॉडगेज नेटवर्क के 99.5 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से का विद्युतीकरण पूरा किया जा चुका है। वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों के साथ रेलवे तेजी से आधुनिक रूप ले रहा है।पर्यावरण के लिहाज से भी रेलवे सड़क परिवहन की तुलना में कहीं अधिक स्वच्छ और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर रहा है। कुल मिलाकर रेल बजट 2026-27 आगरा मंडल ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए विकास, सुरक्षा और कनेक्टिविटी का मजबूत रोडमैप पेश करता है। यह बजट रेलवे को आर्थिक विकास की रीढ़ के रूप में और सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' की दिशा में एक ठोस और भरोसेमंद कदम साबित होता दिख रहा है।

कांग्रेस का जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मनरेगा बचावों अभियान के तहत जिला कलेक्ट्रट पर विरोध प्रदर्शन किया जिसमें मनरेगा जिला प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस सारिका सिंह, सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, फ़तेहपुर विधायक हाकम अली, कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष सुनीता गठाला, धोद कांग्रेस प्रत्याशी जगदीश दानोदिया, महासचिव डॉ.कुलदीप ढाका, महिला कांग्रेस अध्यक्ष संजु गोदारा, नरेश सैनी, राजेश सैनी, झाबरमल धायल, पवन दाधीच, प्रभु सिंह कांरगा, वेदप्रकाश रॉय,राकेश सिहाग, राजेन्द्र पाटोदा, संजु आलोदा, सरपंच चंदा धायल, जिला परिषद सदस्य उर्मिला धायल,चेयरमैन मुस्ताक नजमी, बर्मन सिहाग, जावेद, पप्पू पहलवान, सज्जन हापास, सेवादल अध्यक्ष रविकान्त तिवाड़ी, सांवरमल ढाका, मुस्ताक, भंवरलाल प्रधान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कुतीना जति आश्रम के महंत रामकुमार नाथ महाराज का देवलोक गमन, क्षेत्र में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के कुतीना गांव स्थित जति आश्रम के महंत रामकुमार नाथ महाराज का रविवार रात्रि को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और श्रद्धालुओं में गहरा दुःख व्याप्त है। सरपंच रविंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराज जी रविवार रात आश्रम में सत्संग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक साइलेंट हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो गई। आश्रम में मौजूद शिष्यों और ग्रामीणों ने तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनका देवलोक गमन हो चुका था। महंत रामकुमार नाथ महाराज लंबे समय से क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए थे। वे अपने सरल स्वभाव, सेवा भावना और आध्यात्मिक प्रवचनों के लिए श्रद्धालुओं के बीच विशेष सम्मान रखते थे। उनके मार्गदर्शन में आश्रम में नियमित रूप से सत्संग, धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक सेवा कार्य आयोजित होते रहे। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण एवं साधु-संत जति आश्रम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि महाराज जी ने जीवनभर धर्म, सत्य और सेवा का संदेश दिया और समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान की। उनका आकस्मिक निधन क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रशासन एवं पुलिस विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है। महाराज जी के अंतिम दर्शन के लिए कुतीना, कांकर, खंडोडा आसपास के गाँव के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं और संत - महात्माओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों को दर्शन कराकर सोमवार शाम को समाधि बनाकर ब्रह्मलीन किया गया। इस अवसर पर महंत आदित्यनाथ आसलवास, ब्रह्म नाथ हरचंदपुर (सोहना), फूलनाथ महाराज कुड़ी तिबारा मंदिर जाट बहरोड, सेवानाथ महाराज जमालपुर, शरद गिरी महाराज कुतीना, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, पूर्व सैन्य अधिकारी कौशल सिंह चौहान, पूर्व उपनिदेशक आयुष विभाग डॉक्टर जलदीप सिंह पथिक, सरपंच रविंद्र सिंह चौहान, राकेश चौहान, घीलौट पूर्व सरपंच मेहताब सिंह चौहान सहित आसपास के ग्रामीण श्रद्धालु एवं साधु संत उपस्थित रहें।

हरियाणा बॉर्डर के पास पुलिया से नीचे गिरा ट्रक, चालक सुरक्षित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

नीमराना (रमेशचंद) । उपखंड क्षेत्र शाहजहांपुर के हरियाणा बॉर्डर के समीप खंडोडा मोड़ पुलिया के नीचे एक ट्रक गिरने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सर्विस रोड पर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में पड़ा मिला, जिसमें सामान भरा हुआ था। सूचना मिलने पर गश्त पर मौजूद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। श्वरङ्क-112 बावल हरियाणा के हेड कांस्टेबल सियाराम ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से चालक को सुरक्षित निकालकर बावल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा दोबारा केबिन की जांच की गई, जिसमें कोई व्यक्ति अंदर मौजूद नहीं पाया गया। ट्रक पर लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर संपर्क करने पर रामधन नामक व्यक्ति ने बताया कि वाहन उसके भाई मोपत कुमार पुत्र गोपाल, उम्र 32 वर्ष, निवासी सांगानेर थाना सरवाड़ जिला अजमेर का है। बाद में चालक मोपत कुमार से फोन पर बातचीत हुई, जिसमें उसने बताया कि वह सामान लेकर दिल्ली की ओर जा रहा था। खंडोडा मोड़ पुलिया पर एक मारुति कार ने अचानक कट मार दिया, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पुल के नीचे सर्विस रोड पर गिर गया। चालक ने बताया कि उसे ज्यादा चोट नहीं आई है और वह फिलहाल सुरक्षित है। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। मामले की रिपोर्ट संबंधित थाने को भेज दी गई है।

सरदार हरलाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हनुमानपुरा में फिल्टर पानी प्लांट का उद्धघाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । हनुमानपुरा स्थित सरदार हरलाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को फिल्टर पानी प्लांट का विधिवत उद्घाटन एसडीएम मुनेश कुमारी मंडावा की उपस्थिति में किया गया। गौरतलब है कि उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान राजकीय विद्यालयो में पेयजल की गुणवत्ता एवं फ्लोराइड की समस्या से रूबरू होना पड़ा था। एसडीएम मंडावा ने फ्लोराइड की समस्या को देखते हुए टीपी बीकानेर नीम ट्रांसमिशन लिमिटेड कंपनी को सामाजिक दायित्व सी एस आर के अंतर्गत सहयोग हेतु प्रेरित किया गया। इसके पश्चात कंपनी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए विद्यालय में आर ओ मशीन स्थापित की गई जिसकी लागत 2.5 लाख रुपए है और प्लांट की क्षमता 250 लीटर पानी प्रति घंटा है,जिससे अब विद्यार्थियों एवं स्टाफ को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी ने कहा कि 'स्वच्छ पेयजल बच्चों के स्वास्थ्य और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी की प्रेरणा से टीपी बीकानेर नीमराणा ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट द्वारा उपखंड क्षेत्र मंडावा की 4 राजकीय विद्यालय हनुमानपुरा, मंडावा , भोजासर एवं मीठवास में आर ओ वाटर प्यूरीफायर लगवाए जा चुके है। वार्षिकोत्सव एवं वाटर प्यूरीफायर प्लांट के उद्घाटन के दौरान विद्यालय संस्था प्रधान जवाहरलाल काला एवं शिक्षकों द्वारा इस पहल की सराहना करते हुए उपखंड प्रशासन एवं बीकानेर नीमराणा प्रोजेक्ट का आभार व्यक्त किया गया। यह पहल न केवल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि अन्य संस्थाओं को भी सामाजिक दायित्व निभाने के लिए प्रेरित करेगी। इस दौरान पूर्व सरपंच फूलसिंह दुलड़,सरपंच पति शुभास सेवदा,सूबेदा ओमप्रकाश सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लोकेश शर्मा ने किया तथा उप-प्रधानाचार्य तनेश कुमार ने सभी आगन्तुक मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

पूर्व सीएम का लक्षमनगढ भाजपा ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया का लक्षमनगढ भाजपा की ओर से स्वागत किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री का जयपुर से बीकानेर जातें समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर पार्टी कार्यालय के सामने भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री डॉ अर्चना पुरोहित शहर भाजपा अध्यक्ष ललित पंवार, पालिका में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष एडवोकेट ललित पुरोहित, भाजयुमो शहर अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश जाजोदिया सहित पार्टी पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय जाट महासंघ ने सुलताना थाने में प्रमोशन हुए स्टाफ का स्वागत किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सुलताना।

पुलिस थाना सुलताना में राष्ट्रीय जाट महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विरेन्द्र क्यामसरिया के सानिध्य में राजकुमार के हैड कांस्टेबल से एएसआई बनने पर, सुरेन्द्र धनखड़ के कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल , जगदीप राव के कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल, सत्यबीर सोमरा के कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल व द्वारका प्रसाद के कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल बनने पर फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर प्रमोशन होने होने के उपलक्ष में स्वागत सम्मान किया। राष्ट्रीय जाट महासंघ के सुलताना ब्लॉक अध्यक्ष मास्टर विजेंद्र धनखड़, प्रभारी राकेश बोरायण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दाताराम धनखड़, संयुक्त सचिव जगदीश लाम्बा ने स्वागत किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रवक्ता बलवीर नेहरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर कांस्टेबल महेंद्र सिंह, स्नेह कुमार, धमेंद्र, सिताराम, राजवीर सहित अन्य स्टाफ की मौजूदगी में सम्मान किया गया।

ठगी पीड़ितों की आवाज बनी बैठक: एमपी शर्मा के निर्देशन में जिला कार्यकारिणी का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.इन्द्रगढ़।

विष्णु प्रसाद बैरवा । भैरूजी महाराज मंदिर, इन्द्रगढ़ परिसर में ठगी पीड़ितों की एक भावनात्मक एवं महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। लंबे समय से न्याय और सहयोग की आस लगाए पीड़ितों ने एक मंच पर जुटकर अपनी पीड़ा साझा की और संगठित संघर्ष का संकल्प लिया। बैठक का संचालन एवं मार्गदर्शन एमपी शर्मा के निर्देशन में हुआ, जिन्होंने पीड़ितों को हौसला देते हुए एकजुटता को सबसे बड़ी ताकत बताया। बैठक में सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। भगवान सैनी को जिला अध्यक्ष, जुगराज चौहान को जिला महामंत्री, श्याम सुंदर शर्मा को जिला संरक्षक तथा सोभागमल सैनी को जिला संगठन मंत्री मनोनीत किया गया साथ ही विष्णु प्रसाद बैरवा को जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों का माला पहनाकर भावपूर्ण स्वागत और सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ समर्थन जताया। बैठक के दौरान कई पीड़ितों की आँखें नम दिखीं, लेकिन संगठन बनने के बाद चेहरों पर उम्मीद और विश्वास की नई चमक भी नजर आई। वक्ताओं ने कहा कि अब पीड़ित अकेले नहीं हैं – पूरा संगठन उनके साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर प्रभु लाल गोचर, बुद्धि प्रकाश दीक्षित, राजू लाल बैरवा, सीताराम शर्मा, धर्मराज सुमन, कमलेश सैनी, कालू लाल, विष्णु गुर्जर, राजेन्द्र बैरवा, पुरुषोत्तम सैनी, कैलाशचंद सैनी, राधेश्याम गोचर, राजेश सैनी, कुलदीप सैनी, सत्यनारायण, रामनिवास सैनी एवं मुकेश वैष्णव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहें।

आकांक्षी खंड नाहड़ में डीसी अभिषेक मीणा ने संपूर्णता अभियान 2.0 को लांच किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । आकांक्षी खंड नाहड़ को पूर्ण रूप से विकसित ब्लॉक बनाने के लिए आज डीसी अभिषेक मीणा ने भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा शुरु किए गए संपूर्णता अभियान 2.0 को लांच किया। उन्होंने कहा कि पोषाहार, स्वच्छता एवं पशुपालन की दृष्टि से तय किए गए 6 मानकों पर हमें अगले अढ़ाई महीने में खरा उतरना है। इस अभियान की 14 अप्रैल को फिर से समीक्षा की जाएगी। इसलिए विभागीय अधिकारी और कर्मचारी ग्राम पंचायतों के सहयोग से इन मानकों का लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए एकजुटता से कार्य करें। नाहड़ विश्राम गृह परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि आकांक्षी खंड को विकसित ब्लॉक बनाने के लिए वैसे तो केंद्र सरकार के नीति आयोग ने 39 पैरामीटर निर्धारित किए हुए हैं, लेकिन संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत अभी उनमें से 6 पैरामीटर को हमें पूरा करना है। इनमें सबसे पहले है कि नाहड़ ब्लॉक में 6 माह से 6 साल तक की आयु के सभी बच्चों को रोजाना पूरक पोषाहार दिया जाए। हर एक बच्चे का रिकार्ड होना चाहिए, जिनको नियमित रूप से प्रतिदिन पोषण आहार दिया जा रहा है। जो छोटी आयु के बच्चे, तीन साल या इससे ऊपर के स्कूल जा रहे हैं, उनको नजदीकी आंगनबाड़ी सेंटर से समन्वय स्थापित कर शिक्षा विभाग द्वारा पोषाहार दिलवाया जाएगा। डीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा को निर्देश दिए कि प्राइवेट स्कूलों में जो बच्चे पढ़ रहे हैं, उनका विवरण लेकर उन्हें पोषाहार के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में भेजना सुनिश्चित करें। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि 6 माह से 6 साल तक की आयु में ही बच्चों को शारीरिक व मानसिक विकास होता है, इसलिए इस उम्र में बच्चों को जितना पौष्टिक आहार दिया जाएगा, वे उतने ही स्वस्थ नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि इसी आयु वर्ग के बच्चों के कद व वजन का माप महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण ट्रैकर पर अपलोड होना चाहिए। इसके लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मापन मशीनें ठीक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एडीसी राहुल मोदी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल व शौचालय की उचित व्यवस्था हो। इसी प्रकार खंड के प्रत्येक राजकीय व निजी विद्यालय में लड़कियों के लिए साफ-सुथरा शौचालय बना होना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी इस बिंदु पर निगरानी रखेंगे। संपूर्णता अभियान 2.0 अभियान में छटा मानक यह तय किया गया है कि सभी दुधारू पशुओं के एफएमडी वैक्सीन लगाई जाए। एक भी पालतू पशु इस वैक्सीन से वंचित नहीं रहना चाहिए। डीसी अभिषेक मीणा ने निर्देश दिए कि इस कार्यक्रम के लिए विभागीय कर्मचारियों को डाटा एंट्री सिखाने के लिए जिला मुख्यालय पर एक वर्कशॉप का आयोजन करवाया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य पैरामीटर को भी पूरा करने में सभी विभागीय अधिकारी मिलकर काम करेंगे।

थाना साइबर फतेहाबाद की कार्रवाई: निवेश के नाम पर 70 लाख रुपये की ठगी मामले में आरोपी काबू

कबाड़ व्यापार में मोटे मुनाफे का झांसा देकर महिला से की गई साइबर ठगी का खुलासा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने निवेश के नाम पर की गई बड़ी साइबर ठगी के एक मामले में एक आरोपी को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी की पहचान कमलेश शर्मा पुत्र रामजी लाल शर्मा, निवासी अशोक मिल, नरोड़ा रोड, अहमदाबाद (गुजरात), वर्तमान पता देव ऋषि रेजिडेंसी सोसायटी, अहमदाबाद के रूप में हुई है। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।थाना साइबर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक राहुल ने बताया कि साइबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की गहन जांच की गई। शिकायतकर्ता मीता गुप्ता पत्नी नीरज गुप्ता, निवासी प्रेम नगर, टोहाना, जिला फतेहाबाद के शिकायत में बताया कि आरोपियों ने कबाड़ व्यापार में निवेश कर कम समय में अधिक लाभ दिलाने का लालच देकर शिकायतकर्ता को विश्वास में लिया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से शिकायतकर्ता से लगभग 70 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों, आरटीजीएस, गूगल-पे तथा नकद के माध्यम से प्राप्त किए। प्रारंभ में कुछ राशि लौटाकर विश्वास कायम किया गया, जबकि बाद में भुगतान में टालमटोल करते हुए फर्जी बहानों के सहारे और धनराशि ऐंठी गई। प्राथमिक जांच एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद में अभियोग संख्या 89 दिनांक 21.12.2025, धारा 406, 420 एवं 120-बी आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण की जांच जारी है तथा अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

पैतृक मकान के विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई पर डंडे से किया हमला

बीच-बचाव में आई बहन से भी की मारपीट,थाने में कराया मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम रींदली में पैतृक मकान को लेकर पारिवारिक विवाद शनिवार को हिंसा में तब्दील हो गया। बाहर रहकर मजदूरी करने वाले छोटे भाई मोहरसिंह सैनी पुत्र स्वर्गीय मनोहरलाल सैनी जब अपनी शादीशुदा बहन प्रेम के साथ अपने गांव रींदली स्थित पैतृक मकान पर गया, तो बड़े भाई तेजपाल सैनी ने उन दोनो को अपने घर में प्रवेश करने से रोक दिया। विरोध करने पर तेजपाल ने डंडे से मोहरसिंह के सिर के पीछे जोरदार वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान जब बडी बहन प्रेम भाई मोहरसिंह को बचाने के लिए आगे आई, तो आरोप है कि तेजपाल ने उसके साथ भी बेरहमी से मारपीट की और पेट पर लात मारकर उसे अंदरूनी गहरी चोट पहुंचाई। पीड़ित मोहरसिंह सैनी ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम रींदली स्थित पैतृक मकान में दो कमरे बने हुए हैं, जिनमें से एक कमरे में बड़ा भाई तेजपाल सैनी निवास करता है, जबकि दूसरे कमरे में उसका घरेलू सामान रखा हुआ है, जिस पर उसने स्वयं ताला लगा रखा है। पीड़ित के अनुसार 31 जनवरी 2026 की दोपहर में वह अपनी बडी बहन प्रेम के साथ रैणी से मोटरसाइकिल द्वारा रींदली आया था। अपने खेतों की देखभाल के बाद जब दोनों बहन भाई रींदली स्थित घर आये, तो बड़े भाई तेजपाल ने दरवाजे पर बैठकर उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इसी दौरान कहासुनी बढ़ने पर तेजपाल अंदर से डंडा लेकर आया और मोहरसिंह पर हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान मौके पर मौजूद चाचा भजनी, चाची चंपा देवी तथा चाचा की पुत्रवधू नगीना पत्नी रवि ने भी तेजपाल का साथ देते हुए दोनों भाई-बहन को पकड़ लिया और लात-घूंसे व थप्पड़ों से मारपीट की। पीड़ित का यह भी कहना है कि आरोपियों ने उन्हें धमकी दी कि यदि घर में प्रवेश करने या पुलिस में शिकायत करने का प्रयास किया तो आत्महत्या का झूठा मामला बनाकर उनको फंसा दिया जाएगा। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह दोनों घायल भाई-बहन को बचाया। इसके बाद घायल मोहरसिंह सैनी ने मंडावर थाने में सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा नेता शर्मा दम्पति के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पूर्व मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे का बीकानेर जाते समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिला उपाध्यक्ष अलका शर्मा व पूर्व शहर अध्यक्ष मनोज शर्मा के नेतृत्व में लक्ष्मणगढ़ भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर 21 किलों फुलों की माला पहनाकर, चुनड़ी ओढ़ाकर व चंग धमाल से स्वागत किया गया। इस अवसर पर लोक गायक भाजपा बलारां मंडल महामंत्री नरेंद्र शर्मा (चंचल) द्वारा मधुर चंग धमाल से वसुंधरा आई रे लक्ष्मणगढ़, माय स्वागत करस्यां जी - माला भी पहरावा म्हे तो चुनड़ भी उढ़ावा गीत गाकर स्वागत किया। इस अवसर पर डीडवाना विधायक युनुस खां, जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज सिंघानिया, युवा मोर्चा पूर्व जिला महामंत्री शमशाद खान जाजोद, किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष शिवभगवान बगड़िया, पूर्व शहर मंडल उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश महर्षि, प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी,युवा मोर्चा अध्यक्ष चंद्रकांत जाजोदिया, पूर्व महामंत्री रवि भार्गव, उपाध्यक्ष रमन लाटा, मंत्री मुकुल शर्मा, ऋषि जाजोदिया, ओबीसी मोर्चा बलारां मंडल अध्यक्ष सुरेश जांगिड़ सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हर वर्ग के हितों को मजबूत करता है बजट 2026- भाजपा नेता बलदेव सैनी

केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया

यह बजट सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की भावना को मजबूत करता है

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को जनकल्याणकारी बताते हुए केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। बलदेव सैनी ने कहा कि इस बजट में पिछड़े वर्ग, गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। शिक्षा के क्षेत्र में ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों को जारी रखना और उनमें बढ़ोतरी करना सरकार की दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, रोजगार व आजीविका से जुड़ी योजनाएं सीधे तौर पर पिछड़े एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाएंगी। यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना को मजबूत करता है। बलदेव सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश सरकार पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को इस बजट से आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलेगा। बलदेव सैनी ने केंद्रीय वित्त मंत्री सीता रमण का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि यह बजट भारत को आत्मनिर्भर और समरस समाज की ओर ले जाने वाला साबित होगा।

जन्मदिन पर पर्यावरण संरक्षण की मिसाल, व्याख्याता निर्मला रेप्सवाल ने स्कूल को भेंट किए पौधे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय केहरपुरा कलां की गृह विज्ञान व्याख्याता निर्मला रेप्सवाल ने अपने जन्मदिन को एक अनूठे और सेवाभावी अंदाज में मनाकर समाज के सामने मिसाल पेश की है। उन्होंने इस अवसर पर विद्यालय को पौधों सहित 10 बड़े गमले भेंट किए और परिसर में दो बड़े अशोक के पौधे रोपे। पीईईओ कमला चाहर ने बताया कि निर्मला ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए विद्यालय के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य योगेश शर्मा के अनुसार, निर्मला प्रकृति प्रेमी हैं और वे हर वर्ष अपने जन्मदिन पर इसी तरह के नेक कार्य करती रही हैं। इस अवसर पर निर्मला ने विद्यार्थियों और स्टाफ साथियों का मुंह मीठा करवाया और सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने व अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अनिल कुमार, विक्रम सिंह, सुरेश कुमार, सुनीता, सिलोचना, सरिता कुमारी, नवीन, कानाराम, अनिता डैला, सुनील, शंकरलाल, सरोज, लीलाधर, दयाकौर, प्रवीण सिंह राठौड़, मिथलेश, अमरेश सिंह, सुरेश कुमार, अनिता भारी, मनोज कुमारी, किताब देवी, बिजेन्द्र राठी और मोहित बोयल सहित अन्य स्टाफ सदस्य व गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ऋण योजनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (एचएसएफडीसी) द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र लाभार्थियों को स्वरोजगार एवं आयवर्धन के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निगम की विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत 2.00 लाख रुपये तक के ऋण हेतू ऑनलाइन आवेदन करने के लिए पोर्टल 2 फरवरी से 9 फरवरी, 2026 तक खोला जा रहा है। इच्छुक एवं पात्र लाभार्थी निगम की आधिकारिक वेबसाइट https//hscfdc.org.in/ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्त डॉ. भारती ने बताया कि निगम द्वारा वर्तमान में बैंक टाई अप ऋण योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को बैंकों के माध्यम से स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें निगम द्वारा अनुदान राशि/सीमांत राशि का लाभ भी दिया जाता है। यह योजना छोटे व्यवसाय, सेवा क्षेत्र एवं अन्य आय सृजन गतिविधियों के लिए उपयोगी है। इसी प्रकार से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसएफडीसी) ऋण योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की सहायता से कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान किए जाते है, जिससे अनुसूचित जाति के लाभार्थी स्वरोजगार, व्यवसाय एवं लघु उद्योग स्थापित कर सकें। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) ऋण योजना विशेष रूप से सफाई कर्मचारी व उनके आश्रित वर्ग के पात्र लाभार्थियों के लिए संचालित की जाती है, जिसके अंतर्गत स्वरोजगार एवं वैकल्पिक आजीविका हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि सभी योजनाओं से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता शर्तें जिले के लिए निर्धारित व्यवसायों की सूची एवं आवश्यक दस्तावेज पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। उपायुक्त ने जिला के सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर बनें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक बीघड़ चौक के नजदीक स्थित ओल्ड डीएसपी रेजिडेंस, बतरा हॉस्पिटल के सामने निगम के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक व्यक्तिगत या दूरभाष नंबर 01667-224540 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की पेंशन काटना सरकार का गलत निर्णय- पार्षद रामकुमार सैनी

पेंशनधारकों के साथ छलावा कर रही है हरियाणा सरकार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना कांग्रेस (एल.डी.एम) हल्का प्रभारी रामकुमार सैनी ने सरकार द्वारा दिव्यांगजनों, विधवाओं और बुजुर्गों की पेंशन काटे जाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करती है कि पेंशन बढ़ाई जाएगी, लेकिन सत्ता में आने के बाद बढ़ोतरी तो दूर, उल्टा हजारों बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन पर कैंची चला दी गई और उनकी पेंशन ही बंद कर दी गई। वोट लेने के बाद बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के साथ किया गया यह व्यवहार सरकार के लिए शर्मनाक है। रामकुमार सैनी ने कहा कि जिन बुजुर्गों की 15-20 साल पहले पेंशन बनी हुई थी, उस समय सरकार द्वारा मेडिकल बोर्ड गठित किया जाता था और मेडिकल बोर्ड की स्वीकृति के बाद ही पेंशन स्वीकृत होती थी। पुराने बुजुर्गों के पास आज उम्र का कोई प्रमाण नहीं है और वे पढ़े-लिखे भी नहीं हैं। कई लोगों के पास यदि जन्म प्रमाण पत्र है भी, तो जन्म के समय माता-पिता ने कुछ और नाम दर्ज करवा दिया था, जबकि अन्य पहचान पत्रों में नाम कुछ और है। ऐसी स्थिति में इस आधार पर पेंशन काटना पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि यदि किसी बुजुर्ग के नाम मकान है, बिजली का मीटर है या बिजली बिल 24,00 रुपये से अधिक आ रहा है, तो उसी आधार पर पेंशन काट देना बेहद शर्मनाक है। यदि कोई बुजुर्ग आज अपना मकान बच्चों के नाम कर देता है, तो आने वाले समय में उसे घर से बेघर होने का खतरा रहता है। इसी डर से अधिकांश बुजुर्ग अपने जीते-जी मकान बच्चों के नाम नहीं करते और इसका परिणाम यह होता है कि सरकार उनकी पेंशन काट देती है। रामकुमार सैनी ने कहा कि आज हालात यह हैं कि बुजुर्ग सर्द हवाओं में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। वहीं विधवाएं, जो अपनी पेंशन से किसी तरह गुजारा चला रही थीं, उनके बच्चों ने उन्हें उसी घर में अलग बिठा रखा है, जो घर विधवा के नाम है। बिजली बिल अधिक होने के कारण विधवा की पेंशन काट दी गई है। अब वह चाहकर भी मकान और मीटर बच्चों के नाम नहीं कर सकती, क्योंकि उसे भी घर से बेघर होने का डर है। सैनी ने सरकार से मांग की है के वह तुरंत प्रभाव से अपना यह जन-विरोधी निर्णय वापस ले और जिन बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन बंद की गई है, उनकी सभी महीनों की पेंशन तुरंत उनके खातों में डाली जाए। रामकुमार सैनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द फैसला वापस नहीं लिया तो आने वाला समय सरकार के लिए बेहद घातक सिद्ध होगा। यदि ये बुजुर्ग सड़क़ों पर उतर आए तो उन्हें संभालना किसी के लिए संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चेतावनी दी जाती है कि तुरंत प्रभाव से सभी की पेंशन उनके खातों में डाली जाए, अन्यथा प्रदेश-स्तरीय जन आंदोलन किया जाएगा, जिसके परिणाम सरकार के लिए गंभीर और घातक होंगे।

बॉलीवुड में तड़का: तापसी पन्नू की फिल्म 'घूंघट' की शूटिंग से नवलगढ़ गूंज उठा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'घूंघट' की शूटिंग के सिलसिले में शेखावाटी क्षेत्र के ऐतिहासिक शहर नवलगढ़ में डेरा जमाए हुए हैं।फिल्म में तापसी पुलिस इंस्पेक्टर दुर्गा की दमदार भूमिका निभा रही हैं, और खाकी वर्दी में उनका सख्त व पावरफुल लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।पिछले एक महीने से ज्यादा समय से शूटिंग चल रही है, जिसमें नवलगढ़ के अलावा चिराणा, डूंडलोद, मुकुंदगढ़, लोहार्गल, रामपुरा, मंडावा और रघुनाथपुरा जैसे कई खूबसूरत लोकेशनों का चयन किया गया है। शेखावाटी की प्रसिद्ध हवेलियां, संकरी गलियां और ग्रामीण माहौल फिल्म की पृष्ठभूमि के लिए परफेक्ट साबित हो रहे हैं। लोकल लोगों में बॉलीवुड का यह तड़का देखकर जबरदस्त उत्साह है, और कई जगहों पर सेट तैयार किए गए हैं। तापसी पन्नू फिलहाल हुकुमगढ़ पैलेस एंड रिसोर्ट, चिराना में ठहरी हुई हैं। यहां उन्होंने फैंस के साथ खुलकर फोटो खिंचवाईं और नवलगढ़ की खूबसूरत हवेलियों की जमकर तारीफ की। एक्ट्रेस को बुलेट बाइक पर महिला कांस्टेबल के साथ गश्त करते हुए भी देखा गया, जो फिल्म के सीन का हिस्सा है।फिल्म को सोशल थ्रिलर बताया जा रहा है, जिसमें मजबूत संदेश है। तापसी के इस ट्रांसफॉर्मेशन ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। शूटिंग से इलाका फिल्मी चहल-पहल से भर गया है, और शेखावाटी एक बार फिर बॉलीवुड के नक्शे पर चमक रहा है।

बजरंग दल की संगठनात्मक संरचना व विस्तार को लेकर हुई मीटिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । रविवार को भुना में बजरंग दल की एक बैठक ज़िला संयोजक अंकित भालोटिया के नेतृत्व में आयोजित हुई। जिसमें केवल जिले के प्रखंड पदाधिकारियों की सहभागिता रही। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती तथा जमीनी स्तर पर कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रशासन द्वारा अवैध प्रवासियों को कथित रूप से सहायता दिए जाने, उनकी अवैध गतिविधियों पर आंखें मूंदे रखने और समय रहते कार्रवाई न किए जाने को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। सूत्रों ने उदाहरण देते हुए बताया कि प्रशासन और सरकार ने गत दिनों हुई घटनाओं को दरकिनार करते हुए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ रहे हैं। इस विषय को लेकर सरकार के ढीले रवैये की भी कड़ी आलोचना की गई और कहा गया कि ऐसी लापरवाही से कानून-व्यवस्था, सामाजिक संतुलन एवं आम नागरिकों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बैठक में इन सभी बिंदुओं पर संगठन की भूमिका, जन-जागरूकता अभियान तथा आगे की कार्ययोजना को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा मनाया गया त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि पर्व

स्कूली बच्चों ने एक से बढकर एक दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

कस्बे में ब्रह्माकुमारीज की ओर से 90वां त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि पर्व का आयोजन किया गया। चिड़ावा कस्बे की मंड्रेला रोड पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की पूर्व सदस्य मनीषा केडिया थी। अतिथियों द्वारा शिव ध्वजोरहण कर कार्यकम का आगाज किया गया। साथ ही कैंडल लाइट कर शिव ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में नारनौल से पधारीं बीके कमल दीदी ने महाशिवरात्रि पर्व के बारे में बताया और इसे मनाने के साथ- साथ खुद के जीवन को बदलने का आह्वान किया। चिड़ावा केंद्र की संचालिका बीके स्नेह दीदी ने भी इस मौके पर कहा कि हमारे अंदर काम, क्रोध, मोह, लोभ, अहंकार जैसे विकार है। इन सभी विकारों को भगवान शिव को चढाकर हम ना केवल अपने मन, बल्कि परिवार, समाज और देश में शांति प्राप्त कर सकते है। उन्होंने इस मौके पर महाशिवरात्रि के नाम के बारे में उल्लेख करते हुए कहा कि रात्रि का मतलब कलियुग की रात का अंत है। जो महादेव शिव ही कर सकते है। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के नन्हें मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जो सभी के द्वारा सराही गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मनीषा केडिया और सरला की पाठशाला की संचालिका अनिता पूनियां आदि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन पूजा गोयल ने किया। सांस्कृतिक व प्रवचन कार्यक्रम से पहले चिड़ावा कस्बे के टेकड़े पर से आयोजन स्थल तक कलश यात्रा और बाइक रैली निकाली गई। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।जगह-जगह पर इस यात्रा का स्वागत हुआ। यात्रा में शिव पार्वती की झांकी मुख्य आकर्षण रही। इस मौके पर सरला की पाठशाला की संचालिका अनिता पूनियां, गणेश भाई नारनौल, महेंद्र यादव, जितेंद्र सैनी, चंदगीराम सैनी, हवासिंह, रामविलास मोदी, विनित मोदी, अनुज सैनी, संजय गोयल, सुनिल रोहिल्ला, कृष्ण, रामनिवास मावंडिया, बनवारीलाल, बसंतलाल, सूरजभान, लीलाधर, उर्मिला, किरण, डिम्पल, नव्या, पूजा, मनीषा, गीता, कविता, रेणू, महिमा, राजबाला जांगिड़ आदि मौजूद थे।

गुगलकोटा मार्ग की बदहाली से ग्रामीण परेशान, पांच वर्षों से जर्जर सड़क पर उड़ती धूल और गड्ढे बने मुसीबत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड शाहजहांपुर - कस्बे के समीप गुलकोटा गांव को जोड़ने वाली सड़क पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से बदहाल हालत में है। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 से गुगलकोटा जाने वाली यह सड़क पहले डामर से निर्मित थी, लेकिन अब सड़क से डामर पूरी तरह उखड़ चुका है और जगह-जगह गड्ढों व उड़ती धूल ने हालात और खराब कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग पर स्थित आरएमसी प्लांट से लगातार गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं होने से धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे राहगीरों को निकलना मुश्किल हो जाता है। उड़ती धूल के कारण सामने कुछ दिखाई नहीं देता और आंखों में जलन व परेशानी आम हो गई है। वहीं बरसात के मौसम में यही सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे फिसलने का खतरा बना रहता है और दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई हैं। ग्रामीण विकास शर्मा, दिलबाग सिंह चौहान, समशेर सिंह, शशि शर्मा, कंवरपाल सिंह, प्रमोद सिंह, रिंकू चौहान, नरेश चौहान सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या की ओर शीघ्र ध्यान दिया जाए तथा सड़क निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

सूरजकुंड मेला घुमाने में स्मार्ट साथी बनेगा 'मेला साथी' ऐप : डीसी

गूगल प्ले स्टोर से किया जा सकता है डाउनलोड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा फरीदाबाद में 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सूरजकुंड हस्तशिल्प मेला घूमने आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए हरियाणा पर्यटन विभाग की ओर से 'मेला साथी' ऐप का शुभारंभ किया गया है। इस 'मेला साथी' ऐप के जरिए पर्यटकों को मेले से जुड़ी हर जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध होगी।

डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव का शुभारंभ 31 जनवरी को देश के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने किया था। पर्यटन विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सूरजकुंड शिल्प मेला का 15 फरवरी तक आयोजन किया जाएगा। इस मेला में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए मेला साथी ऐप शुरू किया गया है। इस 'मेला साथी' ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। मेला साथी ऐप के जरिये पर्यटकों को स्टॉलों की लोकेशन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समय, कलाकारों और शिल्पकारों का परिचय, खानपान जोन, पार्किंग व्यवस्था, आपात सेवाएं सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी एक क्लिक पर मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

कैशबैक और रिवाईस पॉइंट ठगी से रहें सावधान

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जारी की साइबर सुरक्षा एडवाइजरी

आकर्षक ऑफर्स और रिवाईस के नाम पर ऑनलाइन ठग कर रहे आम नागरिकों से ठगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ठगी की घटनाओं को लेकर नागरिकों को सतर्क करते हुए एक महत्वपूर्ण पुलिस एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी बैंक, ई-कॉमर्स कंपनियों, मोबाइल वॉलेट और नामी स्व ब्रांड्स के नाम पर फर्जी कॉल, मैसेज, ई-मेल व सोशल मीडिया लिंक भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं।

ठगी का तरीका : 'कैशबैक और रिवाईस' के नाम पर साइबर फ्रॉड

ऑनलाइन ठग खुद को बैंक कर्मचारी, कस्टमर केयर अधिकारी या किसी नामी कंपनी का प्रतिनिधि बताकर कॉल या मैसेज करते हैं। वे दावा करते हैं कि आपके खाते में कैशबैक आया है, रिवार्ड पॉइंट्स एक्सपायर होने वाले हैं या किसी विशेष ऑफर का लाभ उठाने के लिए तुरंत प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद ठग पीड़ित को किसी लिंक पर क्लिक करने, फर्जी ऐप डाउनलोड करने या ओटीपी, एटीएम पिन,

सीवीवी नंबर व नेट बैंकिंग डिटेल साझा करने के लिए कहते हैं। जैसे ही व्यक्ति जानकारी साझा करता है, उसके बैंक खाते से पैसे निकाल लिए जाते हैं या डिजिटल वॉलेट खाली कर दिया जाता है।

एसपी सिद्धांत जैन की अपील : 'लालच नहीं, जांच जरूरी '

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि कोई भी बैंक या अधिकृत कंपनी कभी भी फोन कॉल, मैसेज या लिंक के माध्यम से गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी आकर्षक कैशबैक या रिवाईस ऑफर पर तुरंत भरोसा न करें। यदि किसी ऑफर की जानकारी मिले, तो उसकी पुष्टि केवल संबंधित बैंक या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से ही करें। किसी भी अज्ञात लिंक, क्यूआर कोड या कॉल के जरिए अपनी निजी व वित्तीय जानकारी साझा न करें।

सावधान रहें, सतर्क रहें : पुलिस की सलाह

- किसी भी अनजान कॉल या मैसेज में बताए गए कैशबैक या इनाम के झांसे में न आएं।
- ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी, पासवर्ड जैसी जानकारी किसी को भी न दें।
- सोशल मीडिया, व्हाट्सएप या एसएमएस में आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।
- ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।
- अपने बैंक अलर्ट और मोबाइल नोटिफिकेशन हमेशा ऑन रखें।

फतेहाबाद पुलिस की निगरानी और चेतावनी

फतेहाबाद पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ऐसे मामलों पर लगातार नजर रखे हुए है और आमजन को जागरूक करने के लिए नियमित रूप से एडवाइजरी जारी की जा रही है। एसपी सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि ऑनलाइन दिखने वाला हर कैशबैक या रिवार्ड ऑफर असली नहीं होता। थोड़ी सी सतर्कता और सही जानकारी से बड़ी आर्थिक ठगी से बचा जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार व परिचितों को भी साइबर ठगी के तरीकों के बारे में जागरूक करें।

एग्री स्टैक फार्मर आईडी पंजीकरण में रेवाड़ी जिला पहले स्थान पर

बिना फार्मर आईडी के नहीं मिल पाएगा कृषि योजनाओं का लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । एग्री स्टैक के तहत फार्मर आईडी बनाने के मामले में रेवाड़ी जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है। जिला में करीब 35 हजार 677 किसानों की आईडी बनाई जा चुकी है। डीसी अभिषेक मीणा के निर्देशानुसार जिला कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व संबंधित विभाग लगातार इस मामले में कार्य कर रहे हैं ताकि सभी किसानों की आईडी बनाई जा सके और जिला के प्रत्येक किसान को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रदेश में एग्री स्टैक के तहत किसानों की आईडी बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिला में भी कृषि विभाग की ओर से इस कार्य को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। जिला में अभी तक पीएम किसान निधि योजना के तहत 58 हजार 767 किसान पंजीकृत है जिनमें से करीब 35 हजार 677 किसानों की आईडी बनाई जा चुकी है जोकि पूरे प्रदेश में किसी भी जिला द्वारा बनाई गई आईडी में पहले स्थान पर है। विभाग की ओर से सरकार के निर्देशों पर विशेष अभियान चलाकर किसानों की आईडी बनाई जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारी जिला के विभिन्न गांवों में किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए जागरूक भी कर रहे हैं। संबंधित टीमें शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए लगातार फील्ड में कार्य करें। एग्री स्टैक फार्मर आईडी किसानों के लिए बेहद उपयोगी है, क्योंकि इसके माध्यम से उन्हें सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं, सब्सिडी, बीमा, ऋण और अन्य लाभ सीधे व पारदर्शी तरीके से मिल सकेंगे। इस आईडी के बिना किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि एग्री स्टैक योजना के तहत किसानों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य लगातार प्रगति पर है। जिला के सभी किसान समय निकालकर अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं और कृषि से जुड़ी सरकारी योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने बताया कि गांव में कैंप आयोजित करने का मुख्य मकसद यही है कि अधिकतर किसानों को कवर किया जा सके और कोई भी पात्र किसान इस सुविधा से वंचित न रहें।

समाधान शिविर आमजन की समस्याओं का निवारण केंद्र : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने समाधान शिविर में आमजन की सुनी शिकायतें

जिला के साथ उपमंडल स्तर पर भी आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों का लाभ उठाएं नागरिक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का प्रभावी एवं त्वरिता से निवारण के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर आमजन की समस्याओं के निवारण का केंद्र बन रहे हैं। इसी कड़ी में डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर लगाया गया। शिविर में आए लोगों की शिकायतें सुनते हुए डीसी ने प्राथमिकता से निवारण करवाया। वहीं लंबित शिकायतों के लिए संबंधित अधिकारी को तत्परता से निवारण करवाने के निर्देश दिए।

डीसी अभिषेक मीणा ने समाधान शिविर में आई शहर के होली पार्क और घटाल महानियावास गांव में गंदा पानी की शिकायत पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर समस्या का निवारण करवाने के निर्देश दिए। वहीं शिक्षा विभाग के कर्मचारी के वेतन संबंधित शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी को जांच कर समाधान करवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा शहर के सेक्टर एक में पार्कों के सौंदर्यीकरण न होने की शिकायत पर संबंधित विभाग के अधिकारी को जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्कों में सौंदर्यीकरण करवाने के साथ साफ-सफाई भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में पेंशन, प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, शिक्षा व पुलिस सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें आईं। डीसी ने मौके पर ही आमजन की शिकायतों का निवारण करवाया। वहीं लंबित शिकायतों के लिए समय निर्धारित करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निवारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निवारण करवाना शासन और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में नागरिकों की शिकायतों के निवारण के लिए सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं। उन्होंने नागरिकों से इन शिविरों का लाभ उठाते हुए अपनी समस्याओं का निवारण करवाने का आह्वान किया। बैठक में एडीसी राहुल मोदी, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

घुमन्तु समुदाय के पहचान पत्र शिविरों की अवधि 15 फरवरी तक बढ़ाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

जिला कलेक्टर सीकर मुकुल शर्मा ने बताया कि घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों को विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु पहचान पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज जारी करने के उद्देश्य से जिले में 12 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित शिविरों की प्रगति अपेक्षानुसार नहीं पाई गई। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए तथा अधिकाधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शिविरों की आयोजन अवधि में 15 दिवस की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया गया है। अब ये शिविर 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। संबंधित उपखण्ड अधिकारी, जो कि शिविर प्रभारी अधिकारी होंगे, द्वारा घुमन्तु समुदाय बाहुल्य क्षेत्रों एवं बस्तियों में शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही शिविरों के संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, घुमन्तु समुदाय के प्रमुख संगठनों एवं समुदाय के व्यक्तियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए हैं कि घुमन्तु समुदाय के पात्र व्यक्तियों को विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु पहचान पत्र जारी करने की कार्यवाही परिपूर्णता के लक्ष्य के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए।

पंडित जसराज भारतीय शास्त्रीय संगीत के 'स्वर-सूर्य' : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती पर गांव पीलीमंदोरी में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

मुख्यमंत्री ने पंडित जसराज की प्रतिमा का अनावरण किया, शहीद स्मारक पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भट्टू में आईटीआई और पीलीमंदोरी में 33 केवी सब स्टेशन और पशु अस्पताल का भवन बनाने की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित जसराज भारतीय शास्त्रीय संगीत के ऐसे 'स्वर-सूर्य' थे, जिनकी आभा ने न केवल देश बल्कि पूरे विश्व को आलोकित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री सोमवार को पद्म विभूषण, पद्मश्री एवं संगीत मार्तण्ड पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती के अवसर पर जिला फतेहाबाद के गांव पीलीमंदोरी में संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर पंडित जसराज जी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा शहीद स्मारक पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस समारोह में आने से पहले सुबह उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई है और उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने हरियाणावासियों को राम-राम भेजी है और पंडित जसराज जी को श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस पावन मंच से पंडित जसराज जी जैसी महान विभूति को नमन करते हैं और उस पुण्य भूमि तथा उस पावन कोख को भी प्रणाम करते हैं, जिसने संसार को ऐसा अनमोल रत्न प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि पंडित जसराज की जयंती के साथ-साथ आज पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की चौथी वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। इस फाउंडेशन की नींव वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई थी। यह संस्था पंडित जसराज जी की शास्त्रीय संगीत विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रशंसनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने मधुरा जसराज, दुर्गा जसराज तथा फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों के समर्पण की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी केवल एक महान कलाकार नहीं थे, बल्कि स्वयं में एक जीवंत संस्था थे। वर्ष 1930 में इसी गांव पीलीमंदोरी के एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मे पंडित जसराज जी ने अल्पायु में ही पिता का साया खो दिया, किंतु विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी साधना को कभी कमजोर नहीं पडने दिया। अपने बड़े भाई पंडित मणिराम जी के सानिध्य में उन्होंने कठोर तपस्या की, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी ने गांव पीलीमंदोरी की मिट्टी की सुगंध को अपनी साधना और स्वर-तपस्या के माध्यम से सात समंदर पार तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की साधना का ही परिणाम था कि हरियाणा के खेत-खलिहानों में जन्मे सुर अंटार्कटिका की बर्फीली ठंड तक भारतीय संगीत की ऊष्मा पहुंचाने में सफल रहे। वे सातों महाद्वीपों में अपनी गायकी का परचम लहराने वाले पहले भारतीय कलाकार बने, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां सरस्वती पंडित जसराज जी के कंठ में विराजमान थीं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और आजीवन साधना के बल पर उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित कर दिया। विश्वभर में उन्होंने भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा का प्रचार-प्रसार किया और अपने अतुलनीय योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत हुए।

हरियाणा की मिट्टी से उपजी अमर संगीत परंपराः

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती स्वयं संगीत से ओत-प्रोत है। यहां किसान के पसीने, लोक मेलों की रौनक और युवाओं के कदमों में स्वाभाविक लय देखने को मिलती है। फाग, धमाल और राग-रागनियों की समृद्ध परंपरा आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी जैसे तपस्वी कलाकारों के प्रभाव से ही प्रदेश में आसावरी, धनासरी, बिलावल और भैरवी जैसे रागों के नाम पर गांवों के नामकरण हुए हैं।

संस्कृति संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्धः

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी समाज अपनी संस्कृति को भुलाकर प्रगति नहीं कर सकता। इसी सोच के साथ राज्य सरकार द्वारा पंडित लखमी चंद की स्मृति में विश्वविद्यालय की स्थापना, कुरुक्षेत्र में मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए सरकार द्वारा अनेक कार्य किए गए हैं। 28 जनवरी, 2023 को की गई घोषणाओं के अनुरूप गांव पीलीमंदोरी में उनके नाम पर दो भव्य प्रवेश द्वार, पार्क एवं व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। उनके पिता स्वर्गीय श्री मोती राम जी के नाम पर पुस्तकालय का निर्माण अंतिम चरण में है तथा गांव के तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रगति पर है।

नवोदित कलाकारों को मिल रहा है प्रोत्साहनः

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आज कला, संस्कृति और साहित्य सृजन के लिए अनुकूल वातावरण है। कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। रोहतक स्थित पंडित लखमी चंद राजकीय प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र के मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर में नवोदित कलाकारों को निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनहितकारी मांगें रखीं। उन्होंने क्षेत्र की सेमग्रस्त भूमि की समस्या के स्थायी समाधान करने, हिसार- घग्गर ड्रेन को मजबूत करने, भट्टू उपतहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा देने, तथा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में खेत-खलिहानों तक पहुंच के लिए रास्तों के निर्माण कराने सहित अन्य मांग प्रमुख रूप से उठाई। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री का फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र की अनेक मांगों को पूरा करने के लिए धन्यवाद भी किया और कहा कि मुख्यमत्री का विशेष स्नेह फतेहाबाद विधानसभा पर है।

टी20 विश्वकप मैच के लिए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी भारतीय टीम: बीसीसीआई

पाकिस्तान के मैच से हटने के बाद भी कार्यक्रम में नहीं किया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए तय समय पर श्रीलंका जाएगी हालांकि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार पाकिस्तान ने 15 फरवरी को होने वाले विश्वकप मैच में बिना किसी ठोस करणों से खेलने से इंकार किया है पर इसके बाद भी हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नियमों के तहत ही सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगी। भारत-पाक के बीच मुकाबला 15 फरवरी 2026 को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना था पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया में एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टीम विश्व कप 2026 में भाग लेगी पर ग्रुप स्तर पर भारत के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगी। पाक सरकार ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच से हटने का कोई कारण नहीं बताया है। इससे कार्यक्रम पर संशय बना हुआ है। पाक के मैच से बाहर होने के बाद भी भारतीय टीम अपने तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करते हुए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी। टीम अपने नियमित अभ्यास सत्र के बाद प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और मैच वाले दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में भी पहुंचेगी। वहीं पाक टीम के नहीं पहुंचने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत मैच रेफरी फैसला देंगे। इसमें भारतीय टीम को मैच अंक मिलेंगे जबकि पाक के अंक कटेंगे।

आईसीसी ने भी हालांकि अभी ये नहीं बताया है कि अगर कोई टीम विश्व कप मैच खेलने नहीं आती है तो उसके खिलाफ क्या कदम उठाये जाएंगे। पाक को विश्वकप में अपने पहले मुकाबले में 7 फरवरी को पहला मैच नीदरलैंड्स जबकि 10 फरवरी को अमेरिका वह 18 फरवरी को नामीबिया से खेलना है। ये सभी मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेले जाने हैं। पीसीबी ने अभी ये नहीं बताया है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो तब भी क्या वह भारत के सामने नहीं उतरेगी? भारत-पाक मुकाबले से आईसीसी और प्रसारणकर्तओं को सबस अधिक राजस्व मिलता है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी को भी काफी नुकसान होगा। ऐसे में अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करती है।

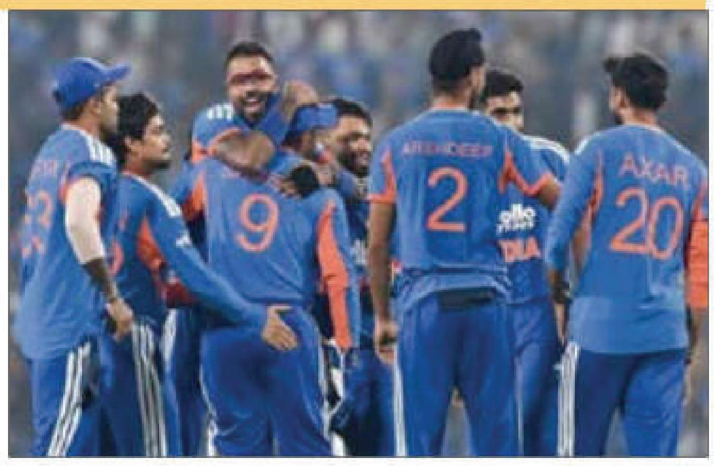

अभिषेक टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी फॉर्म में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते। अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा।

पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। भारत को ग्रुप A में पाकिस्तान, अमेरिका, नामिबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

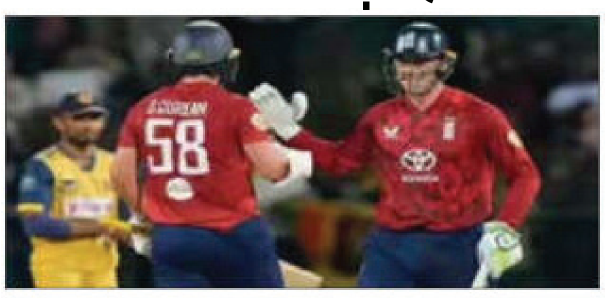

कोलंबो (एजेंसी)। हैरी ब्रूक की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने यहु दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बर्षा बाधित इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 विकेट से जीत हासिल की। वहीं पहले मैच में भी श्रीलंकाई टीम 11 रन से हार गयी थी। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में बारिश के कारण इंग्लैंड को 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।जिसे इंग्लैंड टीम ने टॉम बैंटन के अर्धशतक और कप्तान हैरी ब्रूक की आक्रामक पारी से 16.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 173 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम ने एक समय 7.2 ओवर में ही 60 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे। बारिश के कारण इंग्लैंड को जीत के लिए 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद बैंटन ने 33 गेंदों में 54 रन जबकि जोस बटलर ने 39 रन बनाए। ब्रूक ने केवल 12 गेंदों में 36 रन बना दिये। वहीं सैम करन 20 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

वहीं इससे पहले श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका और कामिल मिशरा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम का स्कोर 11 ओवर में दो विकेट पर 106 रन पहुंच गया। वहीं पवन रत्नायके ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। निसांका ने 22 गेंदों में 34 रन जबकि कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों पर 32 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिए जबकि विल जैक्स, लियाम डॉसन और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-लग सकता है प्रतिबंध, प्रसारकों को नुकसान की भरपाई करनी होगी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी अकड़ में भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार की घोषणा की है। ये घोषणा उसके पतन का कारण भी बन सकती हैं। इससे पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसा पीसीबी और अधिक उसमें डूब सकता है। वहीं इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहित कई और कठोर कदम उठा सकती है। आईसीसी ने पीसीबी के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में तय कार्यक्रम के मुताबिक नहीं खेला तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। अब देखना होगा कि आईसीसी उसके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में आईसीसी पाक टीम को पूरे टूर्नामेंट के लिए प्रतिबंधित कर सकता है। वहीं पीसीबी को मिलने वाला राजस्व रोका जा सकता है। पीसीबी से प्रसारकों को राजस्व नुकसान की भरपाई करने को कहा जा सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय सीरीज पर रोक लगायी जा सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक और आईसीसी रैंकिंग भी घटाई जा सकती है। इसके अलावा पीएसएल में विदेशी खिलाड़ी के खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान के आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसे दी जाने वाली सहायता भी रोकी जा सकती है। भारत-पाक टी20 मैच के लिए विज्ञापन की दर 25 लाख से 40 लाख रुपये प्रति 10 सेकेंड के बीच होती है। इससे विज्ञापन राजस्व नुकसान 200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है हो पीसीबी से भरने को कहा जाएगा। पाकिस्तान को सबसे अधिक राजस्व पीएसएल से मिलता पर आईसीसी उसमें विदेशी खिलाड़ियों के भाग लेने पर रोक लगा सकती है।

आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विशककप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करने के बाद ही बोर्ड अपनी प्रतिक्रिया देगा।पाक सरकार के टी20 विश्वकप से हटने की घोषणा के बाद से ही पूर्व क्रिकेटरों ने इस इसपर बयान दिये हैं पर बीसीसीआई ने अभी कोई बयान नहीं दिया है।भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।तटस्थ स्थल होने के बाद भी पाक मुकाबले में नहीं खेलना चाहता है जिससे बांग्लादेश के मुद्दे पर विरोध दर्ज करा सके।इससे पहले आईसीसी ने बांग्लादेश को हटाकर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया है। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों की वजह से भारत में कोई मैच नहीं खेलना चाहता था, आईसीसी के समझाने के बावजूद जब बांग्लादेश भारत में खेलने को तैयार नहीं हुआ तो आईसीसी ने उसे बाहर कर दिया।आईसीसी के इस फैसले पर ही अब पाकिस्तान अपनी नाराजगी दिखा रहा है।शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के भारत के खिलाफ विश्व कप 2026 के ग्रुप-स्तर मैच के बहिष्कार के मामले पर आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा।शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है, उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है। हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं।इसीलिए उससे बात करने के बाद ही हम अपना जवाब देंगे ।

भारतीय टीम के पास टी20 विश्वकप खिताब बरकारार रखने का अच्छा अवसर : हरभजन

मुम्बई (ईएमएस)।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 विश्वकप में मेजबान भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है।हरभजन के अनुसार इस बार भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका व अफगानिस्तान की टीमें भी सेमीफाइल में पहुंचेंगी।हरभजन ने हालांकि दो बार की विजेता इंग्लैंड को 2026 इस बार खिताबी दावेदार नहीं माना है। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका की टीमें संयुक्त रुप से कर रही हैं।हरभजन ने कहा कि इस बार भी भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है।हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास अपनी धरती पर मैच होने के कारण जीतने का सुनहरा मौका है, भरतीय टीम अभी काफी अच्छी है और उसे घरेलू धरती पर प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा।

टी20 विश्वकप के लिए फिट हुए तिलक

मुंबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक अच्छी खबर है।बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 विश्वकप के लिए फिट हो गये है। तिलक को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है।ऐसे में अब वह टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलकर मुकाबले के लिए लय हासिल करेंगे।तक की कुछ समय पहले ही सर्ज़री हुई थी और इसी का वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे।भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के पहले मैच में 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए से खेलना है।तिलक के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने पर भारतीय टीम ने उनकी जगह पर ईशान किशन को शामिल किया था।ईशान ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में तिलक की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है।से में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के भी विश्वकप तक फिट होने की उम्मीद है।भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में है और उसका पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका से होगा।

पाक कप्तान आगा बोले, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला हमारा नहीं, हमें पीसीबी के अनुसार ही चलना होगा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का जो फैसला लिया है। उससे पाक प्रशंसक और खिलाड़ी भी सहमत नहीं है। टीम के कप्तान सलमान आगा के बयान से ये साबित होता है। आगा ने कहा है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी के मैच का बहिष्कार करने का फैसला सरकार का है हमारा नहीं। पाक सरकार ने कहा था कि टीम टूर्नामेंट मे भाग लेगी पर भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किये जाने के विरोध में लिया है।

आगा ने कहा है कि टूर्नामेंट में खेलने का फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करना होता है और खिलाड़ियों की निजी राय मायने नहीं रखती है। आगा ने यह भी कहा कि पाक टीम टूर्नामेंट के शेष मैच खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच को लेकर निर्देशों का पालन करेगी। सरकार के फैसले पर आगा ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हम विश्वकप के लिए जाएंगे पर यह हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें अपनी ओर से कुछ भी नहीं कर सकते। सरकार और बोर्ड जो भी निर्देश देगा। हमें उसका पालन करना होगा। जो सरकार कहेगी, वही होगा और हम वैसा ही करेंगे।' दोनो टीमों का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में रखा गया है। पाकिस्तान, भारत के साथ ही ग्रुप ए में है, जिसमें नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका की टीमें भी शामिल हैं. पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।

वहीं पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ी नाराजगी जताते हुए यह साफ किया कि किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इस प्रकार का फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आईसीसी को हालांकि अभी तक पीसीबी ओर से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है पर आईसीसी ने कहा कि तय हो चुके मैच को छोड़ना किसी भी टूर्नामेंट के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि इसका प्रभाव लंबे समय तक पड़ेगा। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपनी फैसले पर फिर विचार करेगा। आईसीसी इस मामले में पाक कार्रवाई कर सकता है। वह विदेशी खिलाड़ियों के पाक ममें पीएसएल में खेलने पर रोक तक लगा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार भी नहीं मिलेगा।

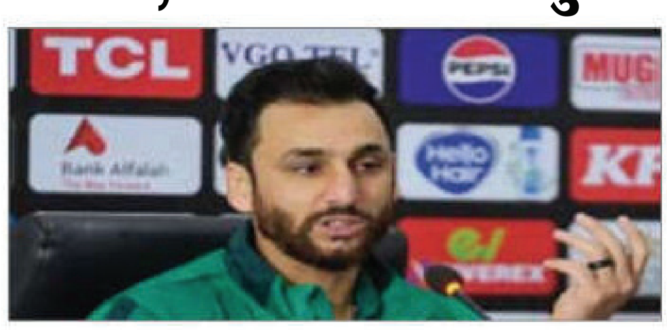

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हार के बाद भी निराश नहीं, भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

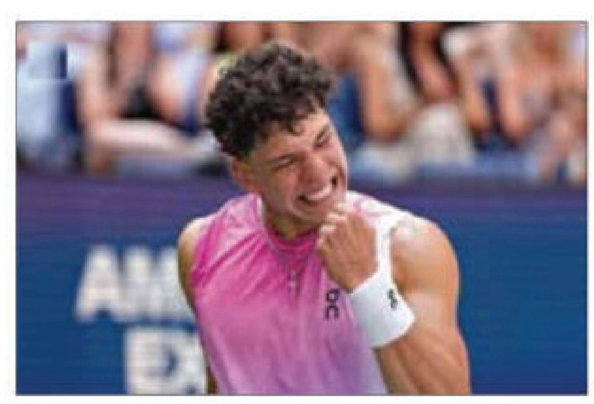

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में इटली के जैनिक सिनर के खिलाफ हार के बाद भले ही खिताबी मुकाबले से बाहर हो गये हैं पर उनका मनोबल कम नहीं हुआ है।शेल्टन का कहना है कि उसे सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी सकारात्मक बात ये है कि उसके खेल में काफी सुधार भी हुआ है और अब वह भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की तैयार करेगा।आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन इस टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक के सफर में केवल एक सेट हारे हैं।शेल्टन ने साफ कहा कि उनके खेल में सुधार हुआ है।अब वह अपने को पहले से कहीं ज्यादा संतुलित खिलाड़ी मानते हैं।शेल्टन का मानना है कि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए केवल एक जीत की ही जरुरत है।शेल्टन ने यह भी कहा कि ग्रैंड स्लैम के दबाव में खेलने केअनुभव से उन्हें सबसे ज्यादा उत्साह मिलता है।उनके अनुसार बड़े मंच पर मुकाबला करने के कारण उनहें लगातार बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है।शेल्टन ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था।इसके बाद से ही तीन एटीपी खिताब जीते हैं।वह एटीपी रैंकिंग में टॉप-5 में भी पहुंचे हैं।उन्होंने कहा कि सिनर के खिलाफ कई बार वह अच्छी स्थित में पहुंचे थे पर वह ब्रेक अंक का लाभ नहीं उठाने के कारण सफल नहीं हुए।

सचिन ने ऑस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी,धैर्य नहीं खोने के कारण बने विजेता

मुम्बई ।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं।इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है।तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया।वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा।उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे।जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं।

पीडब्ल्यूएल 2026: हरियाणा थंडर ने रोमांचक फाइनल में दिल्ली दंगल वॉरियर्स को हराया

नोएडा (एजेंसी)। हरियाणा थंडर रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के खिलाफ फाइनल में आखिरी बाउट तक चले मैच के बाद प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का चैंपियन बन गया।

आठ बाउट के बाद स्कोर 4-4 से बराबर था, नतीजा आखिरी महिलाओं की 62 किलोग्राम बाउट पर निर्भर था, जिसमें पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट इरीना कोलियाडेन्को ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी शानदार टेक्निकल जीत ने हरियाणा थंडर को 5-4 से जीत दिलाई और पीडब्ल्यूएल 2026 का खिताब दिलाया, जो लीग के इतिहास के सबसे नाटकीय फाइनल में से एक था।

हरियाणा थंडर पीडब्ल्यूएल 2026 ट्रॉफी के साथ 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि घर ले जाएगा। रनर-अप, दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 75 लाख रुपये मिलेंगे। व्यक्तिगत पुरस्कारों में, दिल्ली दंगल वॉरियर्स के तुरान बायरामोव ने 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में सभी 7 बाउट जीतकर और पीडब्ल्यूएल 2026 में कुल 59 अंक हासिल करके 2.5 लाख रुपये का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' खिताब जीता। पंजाब रॉयल्स के चंदरमोहन टूर्नामेंट के टॉप पॉइंट स्कोरर थे।

नेहा सांगवान (हरियाणा थंडर) को आखिरी बाउट तक फाइनल को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए 'प्लेयर ऑफद मैच' का पुरस्कार मिला। रौनक (दिल्ली दंगल वॉरियर्स) को पुरुष 125 किलोग्राम वर्ग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फाइटर ऑफद मैच' का सम्मान मिला। 'इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच' अक्षय धेरे (हरियाणा थंडर) थे, जिन्हें 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए पहचाना गया।

चैंपियनशिप की रात दिल्ली ने बढ़त के साथ शुरू की, जब अजेय तुरान बायरामोव ने 74 किलोग्राम पुरुष बाउट जीती, जल्दी ही शुरुआती बढ़त बनाई और 8-1 से जीत हासिल करने के लिए नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणा ने 76 किलोग्राम महिला वर्ग में तुरंत जवाब दिया, जहां अंडर20 विश्व चैंपियन काजल धोचक ने यूरोपीय चैंपियन अनास्तासिया अल्पीयेवा को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया।

65 किलोग्राम पुरुषों के मैच में मोमेंटम तब बदला जब दिल्ली के कप्तान सुजीत कल्कल ने शानदार वापसी करते हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट तुमुर ओचिर तुलगा को 8-6 से हरा दिया। हरियाणा ने तुरंत अपनी स्टार और कई बार की वर्ल्ड चैंपियन यूई सुसाकी के साथ जवाब दिया, जिन्होंने सारिका पर शानदार टेक्निकल जीत हासिल करके अपना कौशल दिखाया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

86 किलोग्राम पुरुषों के मैच में दिल्ली ने फिर से बढ़त बना ली, जब एशियन चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वफाईपुर हादी बख्तियार ने अशिरोव अशरफ को 11-0 से हरा दिया। हरियाणा ने जोरदार जवाब दिया, जिसमें अक्षय धेरे ने 57 किलोग्राम पुरुषों के इवेंट में दिल्ली के अमित कुमार को टेक्निकल सुपीरियरिटी से हरा दिया।

हेवीवेट मैच निर्णायक था, जिसमें रौनक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनिरुद्ध गुलिया को 12-2 से हराया, जिससे दिल्ली को 4-3 की बढ़त मिली। हरियाणा ने हार नहीं मानी, और नेहा सांगवान ने 57 किलोग्राम महिलाओं के मुकाबले में अंजलि को पिन करके मैच को जारी रखा, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया।

चैंपियनशिप दांव पर लगी थी, और इरीना कोलियाडेन्को ने महत्वपूर्ण 62 किलोग्राम महिलाओं के मैच में कदम रखा। अपने अनुभव और शांत स्वभाव का फायदा उठाते हुए, पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार टर्न-एंड-एक्सपोजर मूव्स से अंजलि को हराया और 16-0 से टेक्निकल जीत हासिल की। इस जीत ने उन्हें हरियाणा थंडरर्स के लिए खिताब दिलाया।

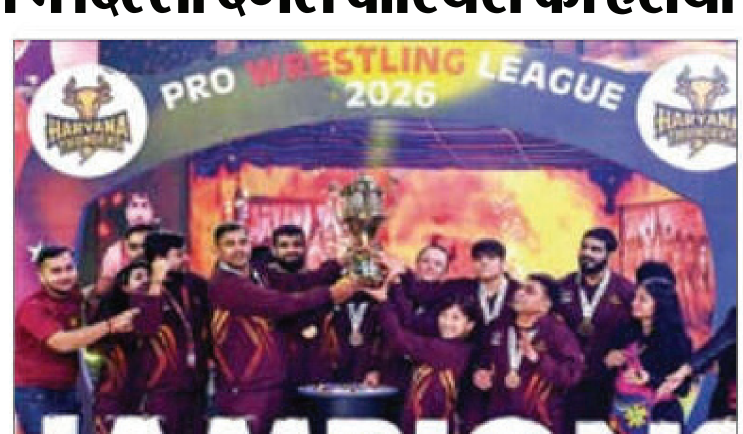

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम ।न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरना होगा।इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी।सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी । कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है।वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा।इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे।सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है।सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं।उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है।खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा।उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा।हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे।इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा।सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा।चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रीटा फरेरा के किरदार से खुद को कैसे जोड़ती हैं भूमि?

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है। इस बार अभिनेत्री एक डीसीपी के रूप में क्राइम से लड़ती नजर आएंगी। इस इंटरव्यू में भूमि ने दलदल की कहानी में दिखाए गए समाजिक मुद्दों समेत इस सीरीज में अपने किरदार और उसके पीछे की गंभीरता के बारे में भी चर्चा की। बातचीत में भूमि ने यह भी बताया कि किस तरह वो अपने किरदार के साथ रिलेट करतीं हैं।

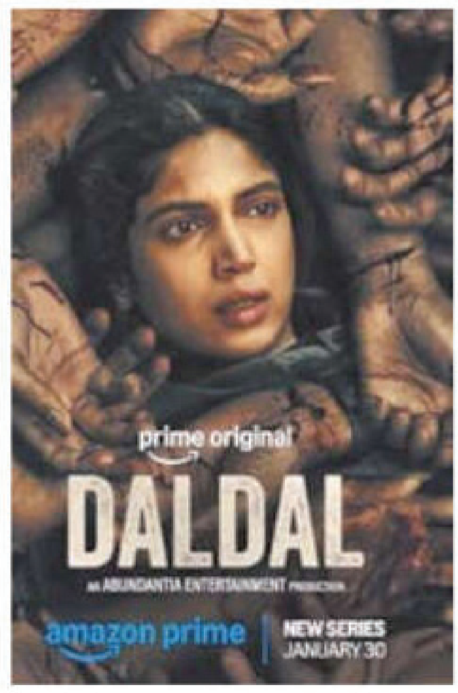

क्यों अलग है 'दलदल' सीरीज?

भूमि पेडनेकर ने इस इंटरव्यू में 'दलदल' के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो का अनुभव वैसा ही है जैसे आप किसी चीज में फंसते चले जा रहे हों वही घुटन, वही बेचैनी, वही क्लॉस्ट्रोफोबिक सी फीलिंग। मेरा किरदार उस भावना को बहुत अच्छी तरह समझाता है। हालांकि शो में एक तरह की डार्कनेस है लेकिन इसके साथ ही हल्कापन भी है। यह एक बहुत इंटेलिजेंट और मनोवैज्ञानिक क्राइम ड्रामा है। इस जॉनर में कई शो आए हैं लेकिन फूली फील्स की राइटिंग इसमें एक अलगपन लेकर आती है।

किन मायनों में अलग है रीटा फरेरा का किरदार?

'दलदल' में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के बारे में भूमि ने कई बातें बताईं। भूमि ने कहा, रीटा अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार है, लेकिन वर्दी में और वर्दी के बाहर उसका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग दिखता है। उसके भीतर गहरी डार्कनेस है, बहुत सा ट्रॉमा है जिससे वह पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई। यही इस शो की जड़ है कि हम सब अपने बचपन के घावों को ठीक से संभाल नहीं पाते हैं। इसी कमी ने उसे हर तरह की खुशी से दूर कर दिया। उसके अंदर गुस्सा भी है, हिंसा भी है और उतनी ही गहरी संवेदनशीलता भी। यही उसका दलदल है और यही वह जाल है जिसमें इस शो का हर किरदार अपने अपने तरीके से फंसा हुआ है।

रीटा के व्यक्तिव से समानता महसूस करती हूं

भूमि पेडनेकर ने अमर उजाला को दिए इस इंटरव्यू में अपने और रीटा फरेरा के बारे में बताया, मैं यानी भूमि खुद को रीटा से जिस एक चीज के जरिए जोड़ पाती हूं वह है काम के प्रति उसकी ईमानदारी। रीटा की तरह मेरे अंदर भी अपने काम को लेकर गहरी सच्चाई है। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि अपने किरदार को जितनी ईमानदारी और सच्चाई से निभा सकूं निभाऊं। शायद यही वह जगह है जहां मैं और रीटा एक दूसरे से मिलते हैं। उसकी तरह मैं भी अपने काम में पूरी तरह डूब जाती हूं।

फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका

'जवान' फेम निर्देशक एटली इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं है। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अब एटली ने फिल्म को लेकर बात की है। बातचीत के दौरान एटली ने

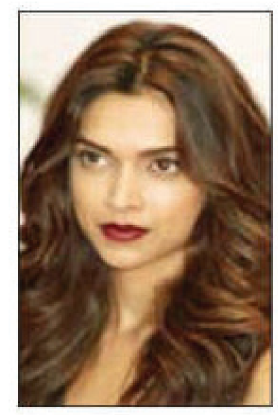

इस फिल्म को लेकर बताया कि टीम फिल्म पर काफी मेहनत कर रही है। इसके बारे में बात करने के लिए उतनी ही उत्साहित है, लेकिन सही समय का इंतजार कर रही है। हर दिन हमें कुछ न कुछ नया पता चल रहा है। मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है। सच कहूं तो, अपने दर्शकों से भी ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने के लिए उत्सुक हूं। हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद हराम कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम उतने ही उत्साहित हैं। हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। एक बार यह बन जाए, तो यकीन मानिए, हर कोई इसका भरपूर आनंद उठाएगा।

'जवान' के बाद फिर से दीपिका पादुकोण के साथ काम करने पर एटली ने कहा कि हां, वो मेरी लकी चार्म हैं। दीपिका के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है और उनके साथ काम करना बेहद शानदार है। वो लाजवाब हैं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पर आपको एक बिल्कुल अलग दीपिका देखने को मिलेंगी।

टैलेंट से सफल अभिनेत्री और गायिका बनीं हैं श्रुति हासन

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है।

हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं।

शादी और करियर पर विक्रांत सिंह और मोनालिसा ने साझा किए दिलचस्प किस्से

मोनालिसा और विक्रांत रियलिटी शो 50 में एक साथ नजर आ रहे हैं। शो शुरू होने से पहले खास बातचीत में दोनों ने शो के फॉर्मेट, अपने रिश्ते और करियर को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। बता दें कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिसवास है और वे 50 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 10 के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढी और उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई, जहां कई पापुलर शोज में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं।

मोनालिसा को लेकर समाज की सोच पहले निगेटिव थी – विक्रांत

विक्रांत सिंह के मुताबिक, मोनालिसा जब बिग बॉस में आई थी, उससे पहले लोगों की सोच ज्यादातर निगेटिव थी। हम जिस सोसाइटी से आते हैं, वहां खासकर लड़कियों के लिए निगेटिव सोच जल्दी बनती है। घर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में आना गलत मान लिया जाता है। आप सही हों या गलत लोग की नजर में आप गलत ही हो जाते हैं। अगर आपने ऐसा किरदार चुना जिसे आपको परफॉर्म करना है, तो भी गलत माना जाता है। लोगों ने मोनालिसा के बारे में गलत सोचा। वो लोग बोलने से पहले सोचते नहीं।

शादी के बाद बदली राय, पर सोच धीरे बदलती है

वो आगे कहते हैं, बिग बॉस में आने के बाद कुछ हद तक राय बदली। हमारी शादी हुई तो और भी बदलाव आया। लेकिन सोच बहुत धीरे बदलती है। ज्यादातर लोग निगेटिव जाते हैं। आपकी मेहनत को लोग क्रेडिट नहीं देते कहते हैं अरे इसको ऐसे ही मिल गया होगा। ये सिर्फ मोना के साथ नहीं, कई लड़कियों के साथ होता है।

50 शो का स्केल देखकर दोनों ने तुरंत हां कहा

रियलिटी शो 50 के बारे में विक्रांत कहते हैं, मेकर्स ने बताया कि हिंदुस्तान का सबसे बड़ा शो बनाना चाहते हैं, 50 सेलेब्स आने वाले हैं। यह सुनकर कोई भी तुरंत सोच लेगा कि भाई मौका मिल रहा है, चौका मार देते हैं। तो हम तो तुरंत तैयार हो गए।

मोनालिसा – 15 नहीं, 50 लोग... फॉर्मेट ही सबसे बड़ा बदलाव

मोनालिसा ने आगे जोड़ा, जब फॉर्मेट सुना तो सबसे पहला सोच यही थी कि बहुत अलग होगा। पहले जब मैं बिग बॉस में गई थी, वहां 15 लोग थे, यहां 50 रहेंगे। और हमें दोनों को साथ बुलाया गया है। बिग बॉस के बाद हमें ज्यादातर रियलिटी शो ही ऑफर होते रहे, जैसे नच बलिये, स्मार्ट जोडी, किचन चैम्पियन यह सब बहुत एक्साइटिंग था। मुझे नए एक्सपीरियंस लेना पसंद है। मैं चाहती हूं कि करियर वाइज हमेशा कुछ नया करूं और लकी हूं कि मिल भी जाता है।

क्या रियलिटी शो रिश्ते पर असर डालते हैं?

विक्रांत साफ कहते हैं, पर्सनल लाइफ और घर में रहना एक बात है। लोगों के बीच जाकर कैसे रियेक्ट करते हो, वो दूसरी बात है। ऊपर से गेम खेलना है। तो मुझे लगता है कि डिफरेंसेज दिखेंगे ही। घर में भी कई मुद्दों पर हम सहमत नहीं होते। कोई प्लानिंग नहीं है हमारी। लोग मोना के नेचर को जानते हैं और मेरे लोग मुझे जानते हैं। मुझे उतना नहीं देखा है लोगों ने, तो इस शो से लोग मुझे पर्सनली जानेंगे। जो भी होगा नैचुरली होगा।

विक्रांत अपने प्रोफेशनल फैसलों पर मोना पर कितना निर्भर हैं?

विक्रांत कहते हैं, एक पैसे का निर्भर नहीं हूं। ये अच्छा नहीं है, लेकिन सच है। मोना को भी मालूम है। मैं भी ऐसा प्लेटफॉर्म चाहता हूं, जहां लोग मुझे जानें। जहां भी गया हूं, मेरे लोग जानते हैं कि मैं बिल्कुल नहीं सुनता हूं। सुनूंगा तभी जब बात में लॉजिक हो, वरना नहीं। उम्मीद करता हूं कि इस शो से मुझे मेरी पहचान मिले।

मोनालिसा किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मोनालिसा बताती हैं, बहुत सारे कैरेक्टर करना चाहती हूं। आजकल वेब सीरीज में इतने रियल रोल देखते हैं कि लगता है, ऐसा मैंने अभी तक किया ही नहीं है। रियल, नेचुरल, लोकेशन पर शूट बहुत कुछ बाकी है। पांच छह साल पहले पूछते तो कहती कि करीना की जब वी मेट जैसा चुलबुला रोल करना चाहती हूं। लेकिन अब उससे हटकर भी कई कैरेक्टर करना है।

पुणे पोर्श हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नाबालिगों का शराब पीना और कार चलाना बेहद दुखद

-कोर्ट ने दे दी 3 आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित पुणे पोर्श कार हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तीन आरोपियों को जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने नाबालिगों द्वारा शराब पीने और वाहन चलाने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए इसे बेहद दुखद बताया। कोर्ट ने इस तरह की घटनाओं के लिए माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी कड़े शब्दों में टिप्पणी की है।

मामले की सुनवाई करे रहे जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने कहा, कि ऐसे मामलों में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि माता-पिता को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार वे अपने बच्चों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रख पाते। कोर्ट ने नाबालिगों को कार चलाने की अनुमति देने और उन्हें इस तरह के जश्न में शामिल होने देने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों द्वारा शराब का सेवन और फिर तेज रफ्तार कार चलाना समाज के लिए गंभीर खतरा है।

जस्टिस नागरत्ना ने अपनी टिप्पणी में कहा, कि पहले नाबालिगों के रूप में शराब का सेवन, फिर उन्हें कार देना और इस तरह जश्न मनाना बेहद दुखद है। आखिरकार माता-पिता बच्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते और वे कार की चाबी ले लेते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मादक द्रव्यों का सेवन अपने आप में गंभीर मुद्दा है, लेकिन नाबालिगों को कार की चाबियां और मौज-मस्ती के लिए पैसे देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा कि शराब पीकर जश्न मनाने और तेज गति से वाहन चलाने के कारण सड़क पर चल रहे निर्दोष लोगों या सड़क किनारे सो रहे लोगों की जान जाना अत्यंत निंदनीय है। ऐसे मामलों में कानून को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने सामाजिक पहलू पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि आजकल कई माता-पिता के पास अपने बच्चों के साथ समय बिताने का वक्त नहीं होता। इसके विकल्प के तौर पर उन्हें पैसा, एटीएम कार्ड और सुविधाएं दे दी जाती हैं, जिससे बच्चे मोबाइल फोन और बाहरी दुनिया में ज्यादा उलझ जाते हैं। ऐसे माहौल में अनुशासन और जिम्मेदारी की कमी देखने को मिलती है।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा पहले से लगाई गई शर्तों के अधीन आशीष सतीश मित्तल, आदित्य अविनाश सूद और अमर संतोष गायकवाड़ को जमानत दे दी। अदालत ने इस बात को भी ध्यान में रखा कि तीनों आरोपी करीब 18 महीने से जेल में बंद थे। गौरतलब है कि पुणे पोर्श हादसे में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बन गया था।

अंडमान तक डोली धरती : बारामूला और द्वीप समूह में 4.6 तीव्रता के भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दो अलग-अलग हिस्सों में सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के बारामूला और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में आए इन झटकों से लोगों के बीच दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि अब तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुबह करीब 5:35 बजे धरती कांपी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। भूकंप का केंद्र पत्तन इलाका बताया जा रहा है। जिस वक्त झटके महसूस किए गए, उस समय अधिकांश लोग भीषण ठंड के कारण अपने घरों में सो रहे थे। अचानक आए कंपन के चलते लोग घबराकर बाहर निकल आए। इससे पहले, सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। ज्ञात हो कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भूकंपीय जोन-5 में आता है, जिसे दुनिया के सबसे अधिक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। आपदा प्रबंधन टीमें दोनों ही क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

वोट काटने के लिए एक बूथ ही व्यक्ति के नाम से 178 शिकायत, जांच में फर्जी पाई गई शिकायतें

भिंड (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के भिंड में एसआईआर सर्वे के बाद काटे गए वोटों को दुबारा जोड़ने के लिए जारी नोटिस का जवाब देने वोटर को फिर अपनी पहचान साबित करना पड़ रही है। इस बीच भाजपा के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के नाम से फॉर्म 7 भरकर बड़ी संख्या में वोट काटने की शिकायतें सामने आई हैं। जांच में फार्म 7 में की गई सभी शिकायत फर्जी साबित हुईं। शहर के बूथ क्रमांक 107, 108, 101 सहित ज्यादातर बूथ पर भाजपा बीएलए के नाम से फर्जी शिकायत मिली हैं। कई वार्ड में एक साथ 178 से अधिक वोट काटने की शिकायत आई हैं। गर्ल्स स्कूल के पास मौजूद बूथ 107 पर भाजपा बूथ बीएलए अभिषेक मिश्रा के नाम पर 178 वोट काटने की शिकायत के फार्म सामने आए हैं। इसबारे में जब भाजपा बूथ बीएलए से जानकारी ली, तब उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कोई फॉर्म 7 नहीं भरा गया है। इस संबंध में उन्होंने लिखित रूप से अधिकारियों को जानकारी दी है। ज्ञात हो कि यह सभी फार्म 7 विधानसभा निर्वाचन ऑफिस में दिए गए थे। वोट काटने के लिए मिले शिकायती फार्म की जांच करते हुए जब शिकायतकर्ता बीएलए से जानकारी ली गई, तब उन्होंने कहां कि मैंने कोई शिकायत नहीं की है। बीएलओ सुयोग्य मिश्रा ने बताया कि फार्म 7 की शिकायतों की जांच कर इस संबंध में जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी है।

किशोरी का अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की सख्त सजा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह सजा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (अपहरण), 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में सुनाई गई। मामले के संबंध में पुलिस ने बताया था, कि यह मामला 11 अप्रैल 2021 का है, जब एक किशोरी के अपहरण और यौन उत्पीड़न की शिकायत एमआर गंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलते ही श्रीनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता को सुरक्षित बरामद किया गया और मामले से जुड़े अहम गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने बताया कि जांच प्रक्रिया के तहत सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पालन किया गया। इसमें पीड़िता की मेडिकल और फोरेंसिक जांच, साक्ष्यों का संग्रह और परिस्थितिजन्य प्रमाण जुटाना शामिल था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने पॉक्सो मामलों के लिए नामित श्रीनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। अदालत में चले विस्तृत ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने पुख्ता सबूत पेश किए, जिनके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को संदेह से परे दोषी पाया। इसके बाद 30 दिसंबर 2025 को अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 14 साल की जेल की सजा और जुर्माने का आदेश सुनाया। श्रीनगर पुलिस ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सजा बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों में पुलिस और न्याय प्रणाली की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यात्री की शिकायत पर इंडिगो एयरलाइंस पर 25 हजार का जुर्माना

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की उपभोक्ता अदालत ने इंडिगो एयरलाइंस पर एक यात्री के साथ हुई लापरवाही के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। यह घटना 5 मार्च 2024 की है, जब इंडिगो की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान बैंकॉक से बेंगलुरु आ रही थी। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद केबिन क्रू की लापरवाही के कारण एक यात्री पर गर्म नॉन-वेज करी गिर गई, जिससे यात्री को शारीरिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार, एक फ्लाइट अटेंडेंट की गलती से गर्म करी का पैकेट नीचे गिरकर सीधे यात्री के ऊपर आ पड़ा। हादसे में यात्री के कपड़े पूरी तरह खराब हो गए और यात्री को जलन, असहजता और सार्वजनिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। यात्री ने बताया कि वह शाकाहारी है और नॉन-वेज खाने की बदबू और दाग-धब्बों से मुझे गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इसके अलावा, यात्री ने दावा किया कि उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैग को भी नुकसान हुआ। घटना के बाद इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी गलती स्वीकार कर यात्री को 5,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर देने की पेशकश की, लेकिन यात्री इससे संतुष्ट नहीं हुआ। उसने उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराई और 5 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। मामले की सुनवाई के बाद उपभोक्ता आयोग ने माना कि ओवरहेड बिन में गर्म भोजन रखना यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

अब तक 32 : भागीरथपुरा में नगर निगम द्वारा सप्लाई दूषित पानी से संक्रमित एक और मौत, पैंसठ वर्षीय अनिता कुशवाह ने तोड़ा दम

इन्दौर (एजेंसी)। भागीरथपुरा में इन्दौर नगर निगम द्वारा सप्लाई पानी से एक और मौत के बाद अब यहां हुई मौतों का आंकड़ा 32 तक पहुंच गया है। भागीरथपुरा में आज अनिता कुशवाह पैंसठ साल की भी मौत हो गई उन्हें पहले 28 दिसंबर को उल्टी-दस्त की शिकायत पर भाग्यश्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। वहां दो दिन इलाज के बाद राहत के चलते डिस्चार्ज करा घर ले आएं थे लेकिन कुछ ही घंटों बाद फिर हालत बिगड़ी जिस पर उन्हें 1 जनवरी को अरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था फिर वहां से 4 जनवरी को बॉम्बे हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया था। इसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और उनकी किडनी भी फेल हो गई, जिसके चलते डायलिसिस करते उन्हें वेंटिलेटर पर भी रखा गया और अब उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। ज्ञात हो कि अनीता कुशवाह के पहले, एकनाथ सूर्यवंशी, लक्ष्मी रजक जैन, पहलवान खूबचंद पिता गन्नूदास, राजाराम बौरासी, बद्री प्रसाद, विद्या बाई की भी भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित होने के बाद गत सप्ताह में ही मौत हो चुकी है। और अब अनीता कुशवाह की मौत के साथ वहां मौतों का आंकड़ा 32 पर पहुंच लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी के अनुसार बताया कि भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित अनीता कुशवाह का शासन की ओर से हायर सेंटर पर इलाज करवाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से उनको बचाया नहीं जा सका।

बिहार में कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि से हड़कंप, क्षेत्र में किया जा रहा सेनेटाइजेशन

-11 जनवरी को सुबह लोगों ने एक ही स्थान पर 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल परिसर में बड़ी संख्या में मृत मिले कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि होने के बाद हड़कंप मच गया। जांच रिपोर्ट के सामने आते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है और प्रभावित क्षेत्र में एहतियाती कदम उठाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 11 जनवरी की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने एक ही स्थान पर पेड़ के नीचे 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था। कई कौए तड़पती अवस्था में भी पाए गए थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृत पक्षियों को वहां हटाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग और पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम ने मृत कौओं के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए पटना और मध्यप्रदेश के भोपाल की उच्च स्तरीय लैब में भेजे थे। भोपाल लैब से आई रिपोर्ट में बर्ड फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी अंजली कुमारी ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रिपोर्ट मिलते ही पूरे प्रभावित क्षेत्र के चारों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में सेनेटाइजेशन अभियान शुरू किया गया है। इसके साथ ही इलाके के सभी पोल्ट्री फार्म से सैंपल लेकर जीरो सर्विलेंस के तहत जांच की जा रही है।

बता दें 11 जनवरी को जब कौओं की मौत हुई थी, उस समय अत्यधिक ठंड थी, इसलिए पहले आशंका जताई जा रही थी कि ठंड के कारण मौत हुई होगी, लेकिन जांच के बाद केंद्र सरकार की ओर से पुष्टि हुई है कि कौओं की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। फिलहाल प्रभावित इलाकों में सेनेटाइजेशन कराया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी तरह की लापरवाही से बचने के लिए स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। आम लोगों से भी सतर्क रहने और मृत पक्षियों को न छूने की अपील की है।

सीएम ममता पहुंचीं दिल्ली और बोलीं- बंगाल के लोगों के साथ देश की राजधानी में बहुत अत्याचार हो रहा

-एसआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली दौरे पर पहुंचीं ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में बंगाल के लोगों के साथ अत्याचार और बहुत दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि वे इन चिंताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह बंगाल भवन जा रही हैं ताकि वहां मौजूद अपने लोगों से मिल सकें और दिल्ली पुलिस के कथित अत्याचारों को खुद देख सकें। उन्होंने कहा, जब गृहमंत्री बंगाल आते हैं, तो हम उन्हें रेड कार्पेट देते हैं, लेकिन जब हम दिल्ली आते हैं तो हमें ब्लैक कार्पेट दिया जाता है। कृपया बंगाल के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को रोकिए, जिन्होंने अपनी जान तक गंवाई है। दिल्ली के हेली रोड स्थित बंगाल भवन पहुंचने के बाद ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर से जुड़ी शिकायतें बेहद गंभीर हैं और इसी मुद्दे पर वह मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते बंगाल के कई परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। सीएम ममता ने दावा किया कि दिल्ली में रह रहे बंगाल के लोगों को दिल्ली पुलिस बार-बार परेशान कर रही है और बंगाल भवन के आसपास कड़ी निगरानी रखी गई है। उन्होंने कहा, अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि अगले दिन मंगलवार दोपहर 3 बजे बंगाल भवन में एक अहम बैठक और मीडिया के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

बजट पर राहुल गांधी के बयान पर हमलावर बीजेपी... उनसे चिदंबरम भी सहमती नहीं दिखाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी के नेता और प्रवक्ता राहुल गांधी पर हमलावर दिख रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी कहते हैं कि अर्थव्यवस्था खत्म हो गई है, लेकिन आईएमएफ और दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क राहुल गांधी की इस बात से सहमत नहीं हैं, मानिए कि पावर का बैलेंस भारत की तरफ बदल रहा है यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम भी राहुल की बातों का समर्थन नहीं करते राहुल भारत को बदनाम करने वाली ब्रिगेड का हिस्सा हैं उन्हें भारत से नफरत है वह प्रोपेगेंडा के लीडर हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ' युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है, किसान संकट में हैं, आसन्न वैश्विक झटके, सभी को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह एक ऐसा बजट जिसमें चीजों को दुरुस्त करने के बजाय वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा, जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने साथ ही देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की।

मैनुअल सीवर सफाई से मौत पर 30 लाख मुआवजा अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई और मैनुअल स्कैवेंजिंग (मैला ढोने) के दौरान होने वाली मौतों को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे हर मामले में अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला लागू होगा, जिसके तहत मृतक के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जिन मामलों में मुआवजा पहले ही तय होकर भुगतान किया जा चुका है, उन्हें दोबारा नहीं खोला जाएगा।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी. बी. वराले की पीठ ने 20 जनवरी को यह अहम स्पष्टीकरण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से दाखिल एक आवेदन पर सुनवाई के दौरान दिया। नालसा ने कोर्ट को बताया था कि मैनुअल सीवर सफाई से मौत के मामलों में मुआवजे को लेकर अलग-अलग हाईकोर्ट ने भिन्न-भिन्न रुख अपनाया है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था, जबकि दिल्ली हाईकोर्ट ने समान प्रकृति के एक अन्य मामले में मुआवजा राशि बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी थी। इसी असमानता को दूर करने के लिए नालसा ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो टूक कहा कि अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला सभी लंबित मामलों पर लागू होगा। गौरतलब है कि अक्टूबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई के दौरान मौत के मामलों में मुआवजा राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया था। कोर्ट ने इसे मानव गरिमा और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया था।

यह आदेश एक महिला की याचिका पर आया है, जो वर्ष 2022 में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले एक सीवर सफाईकर्मी की विधवा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने अगस्त 2023 में मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक उन्हें कोई राशि नहीं मिली है।

फैसला नजीर बनेगा

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मुआवजा 30 लाख रुपये देने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि यह फैसला न केवल इस याचिकाकर्ता के लिए, बल्कि भविष्य में आने वाले सभी समान मामलों के लिए एक नजीर बनेगा। अदालत ने दोहराया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग एक अमानवीय प्रथा है और इसके पूर्ण उन्मूलन की जिम्मेदारी राज्य और संबंधित एजेंसियों की है।

नशा मुक्त टीम ने गांव श्योराज माजरा में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव बारे किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । जिले को नशामुक्त बनाने को लेकर जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम के ग्रामीण दौरे लगातार जारी हैं। सोमवार को निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने गांव श?योराज माजरा में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांवों को नशा मुक्त करने तथा ग्रामीणों को नशे से दूर रखने को लेकर विचार-विमर्श किया। नशामुक्ति टीम ने आज एक नशा पीड़ित व्यक्ति की काउंसलिंग करवाकर रेवाड़ी के डी एडिक्शन सेंटर में भर्ती करवाया है। उसे इलाज के लिए प्रेरित किया गया है। नशा मुक्ति टीम द्वारा अब तक नशे से पीड़ित 224 लोगों की पहचान की है जो किसी न किसी प्रकार के नशे से पीड़ित है। इसके अलावा 64 नशा पीड़ितो का इलाज करवाया गया है। नशा मुक्ति टीम से एएसआई जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस और आमजन अगर आपस में तालमेल के साथ कार्य करें तो नशे जैसी बुराई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 36.18 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष अगस्त माह में सरकुलर रोड रेवाड़ी निवासी एक व्यक्ति से शेयर मोर्केट में निवेश के नाम पर 36.18 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान एमपी के जिला इंदोर के शीलनाथ कैंप शंकर का बगीचा निवासी हर्ष कदम व जिला इंदोर के विंद्या पैलेस एअरपोर्ट रोड निवासी दीपक सिंह चौहान के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की गत वर्ष 23 अगस्त को सरकुलर रोड रेवाड़ी निवासी धीरज शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट में निवेश करने का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन पर अंकित मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर उसे शेयर मार्केट में निवेश करने पर मोटा मुनाफा कमाने के टिप्स दिए गए। इसके बाद उससे अलग-अलग खाता नंबरों पर शेयर खरीदने के लिए पैसे ट्रांसफर कराने शुरू कर दिए। उससे 20 जुलाई से 19 अगस्त तक 10 बैंक खातों में कुल 36,18,080/- रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके शेयर खाते में लगभग 4.33 करोड़ रुपये दर्शाए गए। जब उसने राशि निकालने का प्रयास किया, तो उससे 10 लाख रुपये और ट्रांसफर करने को कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने सोमवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी एमपी के जिला इंदोर के शीलनाथ कैंप शंकर का बगीचा निवासी हर्ष कदम व जिला इंदोर के विंद्या पैलेस एअरपोर्ट रोड निवासी दीपक सिंह चौहान को गिरफ्तार किया है।

हुनर से रोजगार

Ambuja FOUNDATION | SEDI SKILL & ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT INSTITUTE

अंबुजा फाउंडेशन द्वारा अयोजित रोजगरोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमो मे युवाओ से आवेदन आमंत्रित

पाठ्यक्रम का नाम	न्यूनतम प्रशिक्षण योग्यता	समयावधि	उम्र सीमा
असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट	8th	02 माह	18-30 वर्ष
असिस्टेंट इलेक्ट्रिशन	10th	02 माह	18-30 वर्ष
गेस्ट सर्विस असोसिएट (होटल एंड टूरिज्)	10th	02 माह	18-27 वर्ष
बिजनस कॉरिस्पान्डन्ट /फेसिलटैटर	स्नातक	02 माह	18-27 वर्ष
डिजिटल मित्रा	स्नातक	02 माह	18-27 वर्ष
अनआर्म्ड सिक्युरिटी	10th	02 माह	18-30 वर्ष
जनरल ड्यूटी असिस्टेन्ट / नर्सिंग असिस्टेन्ट	10th	02 माह	18-27 वर्ष

मुख्य आकर्षण

- पर्सनैलिटी डेवलपमेंट व आईटी प्रशिक्षण
- प्रशिक्षण उपरांत 4-5 स्टार होटल मे नौकरी करने के सुनहरे अवसर
- स्वयं का उधयम/व्यवसाय शुरू करने हेतु उचित मार्गदर्शन

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे

टीवी टावर के पास रेल्वे स्टेशन रोड, चिड़ावा झुंझुनू राजस्थान

01596-220537
9468700848

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com